RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | सोमवार , 18 मई 2026 | वर्ष: 04, अंक: 60 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भारत-नीदरलैंड ने द्विपक्षीय संबंधों को किया मजबूत

भारत और नीदरलैंड ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को 'रणनीतिक साझेदारी' के रूप में अपग्रेड (उन्नत) किया

द हेग/एजेंसी

भारत और नीदरलैंड ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को 'रणनीतिक साझेदारी' के रूप में अपग्रेड (उन्नत) किया है। नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रॉब जेटन और भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच हेग में हुई द्विपक्षीय वार्ता के बाद रणनीतिक साझेदारी रोडमैप (2026-2030) पर मुहर लगी। इसका उद्देश्य व्यापार, तकनीकी और सुरक्षा सहयोग को मजबूत करना है। इस ऐतिहासिक संयुक्त वक्तव्य में कई प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष जोर दिया गया है।

आवागमन और प्रवासन समझौता

भारत और नीदरलैंड के बीच पेशेवरों और छात्रों की सुगम आवाजाही को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण प्रवासन समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

सेमीकंडक्टर और तकनीक

धोलेरा में सेमीकंडक्टर फैब के विकास के लिए टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और एएसएमएल के बीच साझेदारी हुई। इसके साथ ही क्रिटिकल मिनरल्स (महत्वपूर्ण खनिजों) के आदान-प्रदान के लिए खान मंत्रालय ने भी करार किया है।

हरित हाइड्रोजन और ऊर्जा

भारत और नीदरलैंड ने 'हरित हाइड्रोजन के विकास के लिए भारत-नीदरलैंड रोडमैप' लॉन्च किया। यह अक्षय ऊर्जा संक्रमण में सहयोग को गति देगा।

सांस्कृतिक आदान-प्रदान और कला नीदरलैंड ने चोल राजवंश के ऐतिहासिक ताम्रपत्र भारत को वापस सौंपे। इसके साथ ही समुद्री विरासत के संरक्षण के लिए लोथल (गुजरात) स्थित नेशनल मैरीटाइम हेरिटेज कॉम्प्लेक्स से जुड़ा समझौता भी हुआ।

इस यात्रा के अहम मायने

प्रधानमंत्री मोदी की नीदरलैंड यात्रा भारत के लिए कई मायनों में अहम साबित हुई।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि नीदरलैंड भारत के शीर्ष पांच निवेशकों में शामिल है।

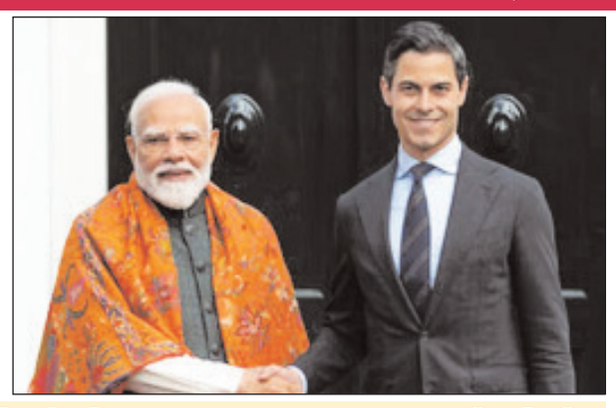

दोनों देशों के रिश्ते पिछले 10 वर्ष में तेजी से मजबूत हुए: प्रधानमंत्री मोदी

दोनों देशों के रिश्ते पिछले 10 वर्ष में तेजी से मजबूत हुए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच व्यापार समझौते की दिशा में हो रही प्रगति से दोनों देशों के रिश्तों को और मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि भारत और नीदरलैंड मिलकर नवाचार, टेक्नोलॉजी और आर्थिक विकास के क्षेत्र में नई संभावनाएं पैदा कर सकते हैं।

17 बड़े समझौते

प्रधानमंत्री मोदी के नीदरलैंड दौरे के दौरान दोनों देशों के बीच 17 बड़े समझौते हुए।

इनका सर सिर्फ व्यापार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि तकनीक, शिक्षा, ऊर्जा, खेती, सेहत, डेयरी, जल प्रबंधन और सांस्कृतिक विरासत जैसे क्षेत्रों में भी बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। दोनों देशों ने कहा कि ये फैसले आने वाले समय में विकास, रोजगार, निवेश और वैश्विक सहयोग को नई दिशा देंगे। इससे भारत को नई तकनीक, रोजगार और वैश्विक बाजार तक पहुंच मिलेगी।

वीजा प्रक्रिया आसान बनाने पर सहमति

रक्षा, साइबर सुरक्षा और सप्लाई चेन पर भी दोनों देश मिलकर काम करेंगे। भारत और नीदरलैंड के बीच वीजा प्रक्रिया आसान बनाने पर सहमति बनी। इससे भारतीय छात्रों, प्रोफेशनल्स और कामगारों को पढ़ाई और नौकरी के बेहतर अवसर मिलेंगे। इंटर्नशिप और लंबी अवधि के वीजा में भी सहूलियत मिलेगी।

उच्च शिक्षा में सहयोग

नालंदा यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ ग्रोनिंगेन साझेदारी भी हुई है। दोनों देशों के विश्वविद्यालय अब संयुक्त रिसर्च और डिग्री कार्यक्रम चला सकेंगे। भारतीय छात्रों और शिक्षकों को डच यूनिवर्सिटी में पढ़ाई और रिसर्च के नए मौके मिलेंगे।

भारत की औद्योगिक ताकत बढ़ेगी

क्रिटिकल मिनरल्स में सहयोग पर हुए अनुबंध से इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी और हाईटेक उद्योगों के लिए जरूरी खनिजों की सप्लाई मजबूत होगी।

पीएम ने अफ़्सलुइटडिज्क बांध का दौरा किया

हेग

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पांच देशों की छह दिवसीय यात्रा के तीसरे दिन नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रॉब जेटन के साथ नीदरलैंड के ऐतिहासिक अफ़्सलुइटडिज्क बांध का दौरा किया। इस दौरान दोनों नेताओं ने जल प्रबंधन, बाढ़ नियंत्रण और समुद्री जल को रोककर भूमि तथा मीठे पानी के संसाधनों के विकास से जुड़ी परियोजनाओं की जानकारी ली।

प्रधानमंत्री ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा करते हुए कहा कि जल संसाधन प्रबंधन ऐसा क्षेत्र है, जिसमें नीदरलैंड ने अग्रणी कार्य किया है और पूरा विश्व उससे बहुत कुछ सीख सकता है। उन्होंने कहा कि उन्हें अफ़्सलुइटडिज्क परियोजना की प्रमुख विशेषताओं को समझने का अवसर मिला और इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री रॉब जेटन का आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण और अंतदेर्शीय जलमार्ग नेटवर्क के विस्तार के उद्देश्य से आधुनिक प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

जल क्षेत्र में भारत और नीदरलैंड के बीच सहयोग को और किया जा सकता मजबूत: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण और अंतदेर्शीय जलमार्ग नेटवर्क के विस्तार के उद्देश्य से आधुनिक प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि जल प्रबंधन के क्षेत्र में भारत और नीदरलैंड के बीच सहयोग को और मजबूत किया जा सकता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भी इसे महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री रॉब जेटन के साथ अफ़्सलुइटडिज्क बांध का दौरा किया, जो जल प्रबंधन, बाढ़ सुरक्षा और मीठे पानी के भंडारण में डच इंजीनियरिंग उत्कृष्टता और नवाचार का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह दौरा गुजरात की कल्पसर परियोजना के लिए भी महत्वपूर्ण है, जिसका उद्देश्य खंभात की खाड़ी के निकट मीठे पानी का विशाल भंडार और बांध विकसित करना है। इससे जलवायु अनुकूलन, जल प्रौद्योगिकी और सतत अवसंरचना के क्षेत्र में भारत-नीदरलैंड सहयोग की नई संभावनाओं को भी बल मिलेगा।

सीएनजी कीमतों में फिर एक रुपए की बढ़ोतरी, दिल्ली में 80.09 रुपये प्रति किलो

नई दिल्ली/एजेंसी

दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) की कीमतों में तीन दिन के भीतर दूसरी बार बढ़ोतरी की गई है। नई दरें रविवार से लागू हो गई हैं। ताजा बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में सीएनजी एक रुपये प्रति किलोग्राम महंगी होकर 80.09 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। इससे पहले 15 मई को गैस कंपनियों ने सीएनजी की कीमतों में दो रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि की थी। लगातार दूसरी बढ़ोतरी के साथ तीन दिनों में सीएनजी कुल तीन रुपये प्रति किलोग्राम महंगी हो चुकी है। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) द्वारा जारी नई दरों के अनुसार नोएडा और गाजियाबाद में सीएनजी की कीमत बढ़कर 88.70 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। वहीं, मुंबई में सीएनजी लगभग 84 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर बिक रही है।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी तीन रुपये प्रति लीटर तक की वृद्धि हुई थी।

पहले हुई थी 2 रुपये की बढ़ोतरी बता दें कि अभी दो दिन पहले ही सीएनजी के दाम में 2 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी।

Reg. No.: 0917500106

सत्यम शिवम हास्पिटल

टिकरी, कौड़िहार, प्रयागराज

संचालित सत्यम पब्लिक एजूकेशनल सोसाइटी 9/9/1A लुकरगंज प्रयागराज के द्वारा

नोट :- हमारे यहाँ हर समय विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध है और सभी प्रकार का इलाज कुशलता से किया जाता है।

- 150 बेड की व्यवस्था
- आई0 सी0 यू0
- एन0 आई0 सी0यू0
- आपरेशन थियेटर
- वेन्टीलेटर, वाई0 पैप
- ओ0पी0डी0
- ई0 सी0 जी0
- डिजिटल एक्स-रे
- पैथोलॉजी
- अल्ट्रासाउण्ड
- नार्मल डिलीवरी
- आपरेशन से डिलीवरी की व्यवस्था
- 24 घंटा ऑक्सीजन की सुविधा
- 24 घंटा इमरजेन्सी की सुविधा
- एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध

निर्देशक : संजय शुक्ल

सम्पर्क सूत्र : 9451181332, 9198860735

4

कालेज कोड 01083

सत्यम् शिवम् शुभम् ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स

टिकरी, धरवनपुर, प्रयागराज

सम्बद्ध प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

छात्रवृति की सुविधा भी उपलब्ध है।

Website : http.sssgroup.co.in

हेल्पलाइन नं.: 9451181332, 9198860735

संजय शुक्ल
चेयरमैन

Course
B.A., M.A., B.Sc, M.Sc., (Ag)
B.Com., M.Com., LL.B.
B.A.LL.B., B.Pharma
D.Pharma, ITI, BTC.

राजकुमारी शुक्ला
निर्देशक

1

भाजपा का बूथ अध्यक्ष भी बन सकता है पार्टी अध्यक्ष, सीएम और पीएम : योगी आदित्यनाथ

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अकेले भाजपा ही ऐसी पार्टी है जिसमें एक बूथ का अध्यक्ष भी एक समय पार्टी का प्रदेश और देश का अध्यक्ष भी बन सकता है। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री भी बन सकता है, यह केवल भारतीय जनता पार्टी में संभव है। कारण, यहां पर परिवार नहीं बल्कि पार्टी और कार्यकर्ता मायने रखता है।

सीएम योगी रविवार को गोरखपुर के सहजनवा विधानसभा क्षेत्र स्थित तेनुआ टोल प्लाजा के समीप एक रिजॉर्ट में भाजपा के जिला प्रशिक्षण वर्ग के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 के अंतर्गत पार्टी की जिला इकाई की तरफ से आयोजित इस प्रशिक्षण वर्ग में शामिल प्रतिभागियों को ह्यराष्ट्र प्रथम के भाव से अनवरत आगे बढ़ते रहने को प्रेरित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज कांग्रेस, सपा, राजद, टीएमसी, डीएमके या ऐसे ही भ्रष्टाचार में डूबे अन्य दलों के आचरण को सम्मान नहीं देता है। भाजपा कार्यकर्ता को समाज में सम्मान इसलिए मिलता है कि इस पार्टी के कार्यकर्ता में राष्ट्रवाद और भारतीयता का आचरण मिलता। भाजपा का कार्यकर्ता पार्टी के संस्थापकों के मूल्यों और आदर्शों पर चलते हुए देश की एकता और

अखंडता के लिए शुचिता और पारदर्शिता से आचरण और तदनुरूप कार्य करता है।

भाजपा के लिए राष्ट्र प्रथम, दल द्वितीय

'भाजपा का इतिहास और विकास' विषय पर केंद्रित जिला प्रशिक्षण वर्ग के उद्घाटन सत्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि स्थापना के 50 वर्ष से भी कम समय में भाजपा ने दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में केंद्र और देश के 22 राज्यों में राष्ट्रवाद की विचारधारा को लागू करने के अभियान को आगे बढ़ाया है। भाजपा देश ही नहीं दुनिया का एकमात्र राजनीतिक दल है जिसने हमेशा और मजबूती से यह घोषणा की है कि राष्ट्र प्रथम, दल द्वितीय और व्यक्ति का हित अंतिम होना चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि राष्ट्र प्रथम के भाव से पार्टी के संस्थापकों ने जो मूल्य, आदर्श और संस्कार दिए हैं, उन्हीं का अनुसरण करते हुए कार्यकर्ता जब राष्ट्रवाद की बात करते हैं तो देश ही नहीं दुनिया के भारतवंशियों के सामने पार्टी के रूप में सिर्फ भाजपा का ही चेहरा और कमल का फूल चुनाव निशान सामने होता है।

संविधान ठीक से लागू भी नहीं हुआ कि कांग्रेस ने शुरू कर दिया तुष्टिकरण

सीएम योगी ने कहा कि 26 नवंबर 1949 को भारत का संविधान निर्मित हुआ और 26 जनवरी 1950 को भारत ने अपना संविधान अंगीकार किया।

देश में संसदीय प्रणाली लागू हुई। पर, अभी पहला आम चुनाव भी नहीं हुआ कि कांग्रेस ने तुष्टिकरण के जिन कारणों से देश का विभाजन हुआ था, उसे ही फिर से भारत की राजनीति का हिस्सा बनाना प्रारंभ कर दिया।

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जनपद में चला स्वच्छता अभियान

सबसे तेज प्रयागराज कौशांबी। रविवार को पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण के निर्देशन में जनपद के समस्त थानों, पुलिस चौकियों एवं पुलिस कार्यालयों में हर रविवार की तरह ही व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया।

अभियान के अंतर्गत पुलिसकर्मियों द्वारा श्रमदान करते हुए थाना परिसर, कार्यालय भवन, अभिलेख कक्ष, शस्त्रागार, मालखाना, हवालात एवं आवासीय परिसरों की गहन साफ-सफाई की गई। साथ ही कूड़ा-करकट का समुचित निस्तारण कर परिसर को स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित बनाया गया।

इस अभियान का उद्देश्य पुलिस विभाग में स्वच्छ, अनुशासित एवं सकारात्मक कार्य वातावरण स्थापित करना तथा ह्यस्वच्छता ही सेवाह्व के संदेश को आत्मसात करना है। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने नियमित रूप से स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया एवं आमजन को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने हेतु प्रेरित किया गया।

पुलिस अधीक्षक द्वारा निर्देशित किया गया है कि स्वच्छता एक सतत प्रक्रिया है, अतः सभी थाना एवं कार्यालय परिसरों में नियमित रूप से साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। यह अभियान प्रत्येक रविवार को निरंतर संचालित किया जा रहा है।

मंझनपुर पुलिस द्वारा आत्महत्या के लिये उकसाने वाले वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । शनिवार को वादी अंगेश सिंह पुत्र अजय सिंह निवासी ग्राम अम्बावा पूरब थाना मंझनपुर जनपद कौशाम्बी द्वारा थाना मंझनपुर पर सूचना दी गई कि मेरी पत्नी को झाड़-फूंक करने वाले महेन्द्र ने अपने जाल में फंसा लिया और बातचीत करने लगा । आरोपी महेन्द्र के उकसावे में आकर शनिवार को मेरी पत्नी ने कमरा बंद करके फांसी लगा ली, जिससे उसकी मृत्यु हो गयी।

उपरोक्त क्रम में आज दिनांक 17.05.2026 को थाना मंझनपुर पुलिस टीम द्वारा मुखबिर खास की सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से संबंधित वाछित अभियुक्त महेन्द्र उर्फ राजेन्द्र पुत्र बबलू उर्फ रामसिंह निवासी ग्राम पंडीरी थाना करारी जनपद कौशाम्बी को संतू का डेरी नहर के पास से गिरफ्तार किया गया ।

पुलिस द्वारा वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये गये अभियान के क्रम में थाना सैनी पुलिस टीम द्वारा मु0नं0 914/18 धारा 138बी विद्युत अधिनियम थाना सैनी से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त विनोद कुमार पुत्र सूरज निवासी बाकरगंज कोरियों थाना सैनी जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया।

साइबर ठगी के शिकार पीड़ितों को 1 लाख 11 हजार रुपए की धनराशि पुनः उनके बैंक खातों में वापस कराया गया

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। साइबर अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियन्त्रण हेतु पुलिस अधीक्षक फतेहपुर के कुशल निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक व क्षेत्राधिकारी अपराध के निकट पर्यवेक्षण में एनसीआरपी पोर्टल एवं पीड़ितों द्वारा दिये गये शिकायती प्रार्थना पत्र की जाँच के अनुक्रम में जन0 साइबर सेल, जनपद फतेहपुर टीम द्वारा सार्थक प्रयास करते हुये शिकायतकताओं की धनराशि उनके खाते में पुनः वापस कराया गया। शिकायतकताओं द्वारा जनपदीय उच्चाधिकारियों व जन0 साइबर सेल टीम का आभार व्यक्त किया।

आवेदक राहुल सोनी थाना हथगांव जनपद फतेहपुर आंगनवाड़ी कर्मी बनकर लिंक भेजकर 35,025/- का फ्राड किया गया था।

आवेदक द्वारा अपने साथ साइबर फ्राड की जानकारी होने पर तत्काल एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज करायी गयी थी, एनसीआरपी पोर्टल पर दर्ज शिकायत पर जन0 साइबर सेल टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये मा0न्यायालय के आदेश के क्रम में सम्बन्धित लाभार्थी खाताधारक की तस्दीक व सम्बन्धित बैंक से पत्राचार कर समन्वय स्थपित करते हुये सम्पूर्ण धनराशि 35,025 /- रुपए को आवेदक के बैंक खातें में सकुशल वापस करा दी गई।

हुसैनगंज पुलिस द्वारा 2 वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारंटियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में रविवार को थाना हुसैनगंज पुलिस द्वारा आबकारी अधिनियम से सम्बन्धि वारंटी अभियुक्त नरेन्द्र लोधी पुत्र स्व0 भुइयादीन निवासी ग्राम फरीदपुर थाना हुसैनगंज वारंटी अभियुक्त बदलू पुत्र रामकृपाल निवासी ग्राम नयन का पुरवा मजरा जमरावां थाना हुसैनगंज जनपद फतेहपुर उम्र करीब 50 वर्ष को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया।

पर्यटन मंत्री ने की जनसुनवाई, कहा शिकायतकर्ता दुबारा आया तो अधिकारी पर होगी कार्रवाई

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के मंत्री जयवीर सिंह ने रविवार को अपने निज निवास सिरसागंज पर जनता दर्शन लगाकर जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ जनता की समस्याओं को सुना।

जनसुनवाई के दौरान पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने जनपद व गैर जनपदों से आए फरियादियों की शिकायतों को एक-एक कर सुना और शिकायतों को उपस्थित सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने फरियादियों की शिकायतों को गम्भीरता से लेते हुए कुछ प्रकरणों में सम्बन्धित अधिकारियों से सीधे फोन पर वार्ता कर शिकायतों को निस्तारित कराया। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि गुणवत्तापूर्ण शिकायत निस्तारण की कार्रवाई के उपरांत शिकायतकर्ता को अवगत भी कराया जाए कि उनकी शिकायत निस्तारित हो गयी है।

जनसुनवाई के दौरान अधिकतर शिकायतें भूमि विवाद, अतिक्रमण व कब्जा मुक्ति की आने पर पर्यटन मंत्री ने जिलाधिकारी द्वारा उपजिलाधिकारी सिरसागंज व पुलिस क्षेत्राधिकारी सिरसागंज को निर्देशित करते हुए कहा कि शनिवार को आयोजित होने वाले थाना दिवसों पर इस प्रकार के भूमि विवाद प्रकरणों को पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीम बनाकर मौके पर भेजा जाए और जांच कर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। इसके लिए उन्होने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह प्राप्त शिकायतों के गुणवत्तापूर्वक निस्तारण की अनुपालन आख्या बनाकर उन्हें भी अवगत कराऐं।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार जनता की समस्याओं के प्रति गम्भीर है, इसलिए अधिकारी जनता की समस्याओं को स्थानीय स्तर पर त्वरित गति से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करना सुनिश्चित करें।

जनसुनवाई के दौरान अधिकतर शिकायतें भूमि, बिजली, पानी, राशन कार्ड, विद्युत विभाग के बिल, आवास योजना, आधार कार्ड, अतिक्रमण, पुलिस सम्बन्धित आदि शिकायतें प्राप्त हुई। जनसुनवाई के दौरान उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि शिकायकतकर्ता की शिकायत निस्तारित नहीं हुई और वह दोबारा हमारे पास आता है, तो सम्बन्धित अधिकारी के विरूद्ध कार्रवाई भी की जाएगी।

चौपाल लगाकर समस्याओं के त्वरित एवं विधिपूर्ण निस्तारण हेतु ग्रामीणों से संवाद कर जागरुक किया गया

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर । एसपी अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित अभियान 'मिशन शक्ति अभियान के फेज-5.0 के द्वितीय चरण' के तहत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन सुनिश्चित करने व महिलाओं की सुरक्षा के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से जनपद के सभी थानों द्वारा महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा ग्राम चौपाल लगाकर समस्याओं के त्वरित एवं विधिपूर्ण निस्तारण हेतु ग्रामीणों से संवाद कर जागरुक किया गया ।

रविवार को अभियान के अंतर्गत सभी थानों की मिशन शक्ति / एंटीरोमियो टीमों द्वारा बाजारों, सार्वजनिक स्थलों पर जाकर बालिकाओं, महिलाओं एवं आमजन को मिशन शक्ति 5.0 अभियान के द्वितीय चरण के तहत जानकारी दी गई, साथ ही महिलाओं के प्रति अपराधों की रोकथाम व उनके अधिकारों की रक्षा एवं आत्मरक्षा के उपायों के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई । कार्यक्रमों के दौरान प्रतिभागियों को महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, चिकित्सा सहायता 108, बाल सहायता नंबर 1098, साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा cybercrime.gov.in पोर्टल की जानकारी देकर इन सेवाओं के उपयोग के लिए प्रेरित किया गया ।

कूलर में पानी डालते समय करंट लगने से युवक की मौत

सबसे तेज प्रयागराज

कौशाम्बी। पिपरी थाना क्षेत्र के नौवापुर गांव में रविवार सुबह दर्दनाक हादसे में युवक की करंट लगने से मौत हो गई। घटना से परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जानकारी के अनुसार नौवापुर गांव निवासी मुकेश कुमार उम्र लगभग 27 वर्ष पुत्र स्वर्गीय बनवारी लाल रविवार सुबह घर में रखे कूलर में पानी डाल रहे थे। इसी दौरान अचानक करंट की चपेट में वह आ गए और गंभीर रूप से झुलस गए। परिजन आनन-फानन में उन्हें तिल्हापुर मोड़ स्थित एक निजी अस्पताल ले गए,जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।बताया जा रहा है कि मृतक मुकेश कुमार की शादी करीब एक वर्ष पूर्व ज्योति से हुई थी। शनिवार रात उनकी पत्नी ज्योति ने एक बेटे को जन्म दिया था,जिससे परिवार में खुशी का माहौल था। लेकिन बेटे के जन्म के अगले ही दिन मुकेश की मौत से खुशियां मातम में बदल गईं।घटना की सूचना मिलते ही पिपरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

हण्डिया पुलिस ने हत्या के मामले में 5 वांछित दबोचे

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। हंडिया थाने की पुलिस ने पांच वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। गिरफ्तार अभियुक्तों में संतोष कुमार, मोतीलाल, अजय कुमार और पंकज कुमार निवासीगण ग्राम खानापुर थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज शामिल हैं।इन पांचों को हण्डिया थाने की पुलिस टीम द्वारा हण्डिया क्षेत्र के ग्राम रीखीपुर नहर कट के पास से गिरफ्तार कर किया गया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों ने हण्डिया क्षेत्र के खानपुर में पुरानी रंजिश को लेकर साथ मारपीट की गयी थी, जिनकी इलाज के दौरान मृत्यु हो गई थी। इस सम्बंध में तहरीर के आधार पर हण्डिया थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही थी।

संदिग्ध परिस्थितियों में सीएमओ ऑफिस के वाहनों में लगी आग

सबसे तेज प्रयागराज

कौशाम्बी। मंझनपुर कोतवाली अंतर्गत जनपद मुख्यालय मंझनपुर में रविवार की शाम को रहस्य मय परिस्थितियों में मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के सरकारी वाहनों में आग लग गई है देखते-देखते आग ने विकराल रूप ले लिया है और सीएमओ ऑफिस के वाहनों में लगी आग धीरे-धीरे ऑफिस के पीछे तक पहुंच गई है जिससे सीएमओ ऑफिस के कई सरकारी वाहन जलकर खाक हो गए हैं सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची और कड़ी मेहनत करने के बाद आग पर काबू पाया है तब तक सरकारी वाहन जलकर खाक हो गए थे सीएमओ ऑफिस के पुराने कार्यालय में इसके पहले भी आग लग चुकी है सीएमओ कार्यालय में आग लगने के दौरान एनआरएचएम घोटाले से संबंधित भ्रष्टाचार की फाइलें जल गई थी जिसकी जांच सीबीआई के अधीन थी पूर्व में हुई अग्निकांड की घटना में सरकारी पत्रावलियां जलकर खाक हो चुकी है सरकारी वाहनों में आग किसने लगाई है यह बड़ी जांच का विषय है।

कौशाम्बी मुख्यालय मंझनपुर थाना क्षेत्र में स्थित सीएमओ ऑफिस के पीछे भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग की चपेट में आकर सीएमओ ऑफिस का सरकारी वाहन जलकर खाक हो गया।सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मचा रहा।बताया जा रहा है कि आग काफी तेजी से फैली,जिससे आसपास मौजूद लोगों में दहशत का माहौल बन गया। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

साइबर जागरूकता एवं सुरक्षा संबंधी कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं व बालिकाओं को जागरूक किया गया

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । रविवार को मिशन शक्ति अभियान फेज 5.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण के कुशल निर्देशन में विभिन्न थानों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण, साइबर जागरूकता एवं सुरक्षा संबंधी कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं व बालिकाओं को जागरूक किया गया।

इस दौरान बालिकाओं/महिलाओं को गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा, महिला अधिकारों, साक्षरता, नए आपराधिक कानूनों एवं साइबर अपराध से बचाव के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं निःशुल्क विधिक सहायता के बारे में भी अवगत कराया गया।

अभियान के अंतर्गत निम्नलिखित हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी प्रदान की गई– 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1090 वूमेन पावर हेल्पलाइन, 102 स्वास्थ्य सेवा, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन एवं 181 महिला हेल्पलाइन।

साथ ही महिला हेल्पडेस्क, एंटीरोमियो टीम, मिशन शक्ति केंद्र एवं थाना सीयूजी नंबरों की जानकारी देकर आमजन को जागरूक किया गया।

स्विमिंग पूल में नहाने के दौरान युवक की मौत

दोस्तो के साथ गर्मी से बचने के लिए गया था स्विमिंग पूल में नहाने,परिजनों में मचा कोहराम

सबसे तेज प्रयागराज

कौशाम्बी। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के नगर पालिका परिषद मंझनपुर के मंगरोहनी मवाई गांव में स्थित स्विमिंग पूल में रविवार की दोपहर को अपने चार दोस्तों के साथ नहाने गया युवक नहाने के दौरान अचानक पानी में डूब गया जिससे युवक की तबियत बिगड़ गई,साथ में रहे लोग उसे एंबुलेंस से जिला अस्पताल ले गए जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।घटना के बाद से परिवार में कोहराम मचा हुआ है,घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस अब घटना की जांच पड़ताल में जुटी हुई है। हालांकि जिस स्विमिंग पूल में युवक के डूबने से मौत बताई जा रही है इतना अधिक पानी नहीं है कि कोई व्यक्ति उसमें डूब जाए और उसकी मौत हो जाए जिससे मामला संदिग्ध प्रतीत होता है और उसके साथियों की गतिविधियों पर सवाल खड़े हो गए हैं।

मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के बंधवा गांव का रहने वाला युवक अवधेश कुमार लोधी उम्र 20 वर्ष पुत्र दुर्गा प्रसाद लोधी रविवार को अपने चार पांच साथियों के साथ मंगरोहनी मवाई गांव स्थित स्विमिंग पूल में नहाने गया था,इस दौरान उसके साथ उसके तीन चार साथी भी थे जहां अचानक से वह पानी में गिर गया और काफी देर तक पानी में ही पड़ा रहा, आनन फानन में मौजूद साथी उसे जिला अस्पताल ले गए जहां डॉक्टर ने उसको मृत घोषित कर दिया । घटना की सूचना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।मृतक के पिता दुर्गा प्रसाद का कहना है कि मेरा बेटा स्विमिंग पूल में नहाने गया था उसके साथ उसके तीन-चार दोस्त भी थे ।

अचानक से वहां उसको उल्टियां हुई अस्पताल ले आए,डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया,युवक की मौत से परिवार में कोहराम मचा है।घटना की सूचना पर मंझनपुर कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

पूर्व मंत्री नारद राय की मांग पर जलशक्ति मंत्री का एक्शन

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में गड़हांचल की लाइफ लाइन कही जाने वाली मंगई नदी से जुड़े नालों का अवरोध खत्म करने की पहल हुई है। जिससे हजारों एकड़ खेती योग्य भूमि के हर साल जलमग्न रहने की संभावना नगण्य हो गई है।

मंगई नदी से जुड़े नालों में जमी गाद की खुदाई व कई जगहों पर पुलिया के निर्माण के लिए विगत दिनों पूर्व मन्त्री नारद राय ने जलशक्ति मन्त्री स्वतन्त्रदेव सिंह से लखनऊ में मुलाकात की थी। उन्होंने जलशक्ति मंत्री से किसानों की इस विकराल समस्या के निराकरण का अनुरोध किया था। जिसके बाद जलशक्ति मन्त्री ने टेलीफोन से अधिशासी अभियन्ता सिंचाई को त्वरित समाधान के निर्देश दिए थे। जिसके बाद बलिया आने के बाद पूर्व मन्त्री नारद राय सिंचाई विभाग के कार्यालय पहुँच कर सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियन्ता राकेश कुमार से दर्जनों गांवों के किसानों के हजारों एकड़ खेत से जुड़े नाले जो मंगई नदी में गिरते हैं, को मौके पर चलकर देखने को कहा था। अधिशाषी अभियंता अपने साथ सहायक अभियन्ता राम मिलन गोंड़ व अवर अभियन्ता राजकुमार चौरसिया सहित सिंचाई विभाग के इंजीनियरों की टीम के साथ निरीक्षण करने पहुंचे थे। अधिकारियों ने नरहीं से मंगई नदी तक जाने वाली लगभग साढ़े चार किलोमीटर लंबी करौंटी ड्रेन, शहाबुद्दीन पुर (कारों) से शुरू होने वाले ढाई किलोमीटर के फिरोजपुर ड्रेन, टुटुआरी-बघौना से मंगई नदी तक जाने वाले साढ़े सात किलोमीटर के नरहीं ड्रेन, टाड़ा ब्रम्हबाबा के स्थान को जाने वाली ड्रेन की सफाई व कुछ विशेष जगहों पर पुलिया के निर्माण को लेकर निरीक्षण किया।

अधिशासी अभियन्ता ने बताया कि जलशक्ति मन्त्री द्वारा टेलीफोन पर दिए गए निर्देश पर ड्रेनों की सफाई के लिए टेण्डर कर दिया गया है, बरसात के पूर्व ड्रेन सफाई का कार्य पूर्ण करा दिया जाएगा। करइल क्षेत्र के लोगों की इस विकराल समस्या के समाधान कराए जाने पर नारद राय ने जलशक्ति मन्त्री का आभार व्यक्त किया। नारद राय ने रविवार को बताया कि करईल क्षेत्र के हजारों किसान अपने खेतों के साल भर जलमग्न रहने से परेशान थे। उनकी यह समस्या दूर हो जाएगी। प्रदेश की योगी सरकार किसानों के हित में कार्य करने के लिए प्रत्यनशील है।

डांडी कछार गंगा घाट में दो सगे भाइयों की डूब कर गई जान, घंटों मशक्कत बाद शव बरामद

नवाबगंज डांडी गांव के रहने वाले थे मृतक काश एवं कैफ

सबसे तेज प्रयागराज

नवाबगंज (प्रयागराज)। नवाबगंज थाना क्षेत्र के डांडी कछार में गंगा नहाते समय दो सगे भाई डूबने को खबर पर ग्रामीणों के साथ पुलिस भी मौके पर पहुंची। वहीं गंगा में डूबने की खबर को लेकर खलबली मच गई। वहीं घटना के बाद गंगा में गोताखोरों की टीम दोनों की तलाश कर रही है। फिलहाल समाचार लिखे जाने तक तलाश की जा रही है। जबकि घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा रहा।

नवाबगंज थाना क्षेत्र डांडी निवासी अलताब उद्दीन के दो पुत्रों में मो. कैफ (20) एवं मो. काश (25) अपने दोस्तों के साथ गांव के समीप कछार में गंगा नहाने के लिए गए थे। बताया जाता है कि वह दोनों गंगा में नहाने के लिए उतारे। गंगा में नहाने के दौरान में गहरे पानी में डूबने लगे। जब तक दोनों भाईयों को बचाया जाता वह गंगा के गहरे पानी में समा गए। वहीं चीख-पुकार सुनकर जब गांव के लोग पहुंचे। जिसके बाद गंगा में डूबे दोनों भाईयों को ग्रामीणों द्वारा खोजबीन शुरू कर दी गई। वहीं खबर आसपास के लोगों को

मिली तो मौके पर सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों की भीड जमा हो गई। वहीं दूसरी तरफ घटना की खबर पर डांडी चौकी प्रभारी सूर्य प्रकाश सिंह, कां. हर्षित कुमार के साथ गोताखोरों की टीम पहुंची। जिसके बाद गंगा में डूबे दोनों भाईयों की

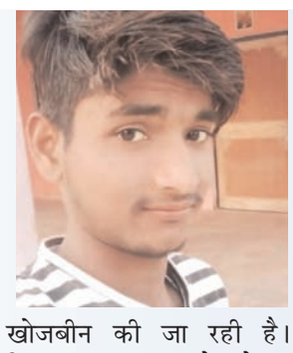

खोजबीन की जा रही है। फिलहाल घटना को लेकर परिजनों में कोहराम मचा रहा। वहीं गांव के समीप गंगा घाट पर घटी घटना को लेकर मौके पर पूर्व प्रधान कृष्णा पाल, एवं भावी प्रधान प्रत्याशी तूफान पाल के साथ लोगों की भीड़ जुटी रही। समाचार लिखे जाने तक दोनों भाईयों की टीम द्वारा तलाश की जाती रही है। फिलहाल घटना के बाद दोनों भाईयों की गंगा में डूबकर मौत होने की चर्चा की जाती रही। वही गंगा में डूबे दोनों सगे भाइयों का शौक दोपहर 2:00 बजे के बीच गोताखोरों की टीम ने बरामद कर लिया है। हालांकि शव बरामद होने के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल रहा पुलिस शव को कब्जे में लेते हुए पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए पीएम हाउस भेजते हुए कार्रवाई करने में जुटी हुई है।

अनुदेशक शिक्षा व्यवस्था की है महत्वपूर्ण कड़ी : केशव प्रसाद

महापौर सहित सभी जन प्रतिनिधि हुए शामिल

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। अंशकालिक अनुदेशक सम्मान समारोह एवं बढ़े हुए मानदेय वितरण कार्यक्रम गरिमामय, भव्य एवं ऐतिहासिक वातावरण में आज जिला पंचायत सभागार में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य थे। उन्होंने चयनित 24 अंशकालिक अनुदेशकों को ?17,000 के बढ़े हुए मानदेय के डेमो चेक प्रदान कर सम्मानित किया।

प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार शिक्षकों, अंशकालिक अनुदेशकों एवं शिक्षा कर्मियों के सम्मान, आर्थिक सशक्तिकरण और शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि अनुदेशक शिक्षा व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं और बढ़ा हुआ मानदेय उनके समर्पण, परिश्रम तथा राष्ट्र निर्माण में योगदान का सम्मान है।

इसके पूर्व प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का स्वागत डीएम मनीष कुमार वर्मा ने पुष्प गुच्छ दे कर किया। सीडीओ हर्षिका सिंह ने स्वागत करते हुए अतिथियों एवं उपस्थित जनसमूह का अभिनंदन किया। डीएम ने मंचासीन अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। मंच पर महापौर गणेश केसरवानी, एमएलसी सुरेंद्र चौधरी, विधायक (उत्तरी) हर्षवर्धन बाजपेयी, सांसद फूलपुर प्रवीण पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीके सिंह, डायट प्राचार्य राजेंद्र प्रताप, जेडी आरएन विश्वकर्मा सहित अन्य विशिष्ट जनप्रतिनिधियों एवं शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। अतिथियों ने अंशकालिक अनुदेशकों को शुभकामनाएं देते हुए इसे शिक्षक सम्मान एवं शिक्षा उन्नयन की दिशा में ऐतिहासिक पहल बताया। अंत में बीएसए अनिल कुमार ने अतिथियों, जन प्रतिनिधियों, शिक्षा विभाग के अधिकारियों एवं अनुदेशकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल संयोजन में डीसी विकास पाण्डेय, मिड डे मील समन्वयक राजीव त्रिपाठी, अंतरिक्ष शुक्ला, शत्रुंजय शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

"सक्षम कार्यकर्ता, सशक्त संगठन है भाजपा : सांसद सीमा द्विवेदी

कहा कि कार्यकताओं को वैचारिक रूप से अधिक सुदृढ़ बनाना है

हनुमान प्रसाद शुक्ल

प्रयागराज। भाजपा की ओर से शहर और गंगापार (प्रयागराज) में आज आयोजित 'पं दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान - 2026' के अंतर्गत आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य वक्ता सांसद सीमा द्विवेदी थी। मुख्य वक्ता सांसद सीमा द्विवेदी ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पं दीनदयाल उपाध्याय का 'अंत्योदय' और 'एकात्म मानववाद' का दर्शन ही हमारी पार्टी की मूल आत्मा है। इस प्रशिक्षण अभियान का मुख्य उद्देश्य हमारे कार्यकताओं को वैचारिक रूप से और अधिक सुदृढ़ बनाना है, ताकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जनकल्याणकारी नीतियां समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति तक पूरी प्रामाणिकता के साथ पहुंच सकें।

मुख्य वक्ता सांसद सीमा द्विवेदी ने कहा कि संगठन की इस ऊजार्वान पाठशाला में उपस्थित सभी ऊजार्वान पदाधिकारियों एवं निष्ठावान कार्यकताओं का उत्साह देखकर यह स्पष्ट है कि राष्ट्र निर्माण और जनसेवा के प्रति हमारा संकल्प निरंतर मजबूत हो रहा है।

इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता आशीष भारतीय ने किया जबकि संचालन श्रीमती किरण त्रिवेदी ने किया । इस अवसर पर भाजपा गंगा पार जिला अध्यक्ष श्रीमती निर्मला पासवान , विधायक दीपक पटेल सहित भारतीय जनता पार्टी के ऊजार्वान कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महानगर प्रयागराज के दो दिवसीय 'जिला प्रशिक्षण वर्ग में वरिष्ठ भाजपा नेता और सांसद श्रीमती सीमा द्विवेदी शामिल हुई। इस दौरान अन्त्योदय' और एकात्म मानववाद के प्रणेता श्रद्धेय पं दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने तथा संगठन को वैचारिक रूप से और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से आयोजित "पं दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के महत्वपूर्ण प्रशिक्षण वर्ग में मुख्य वक्ता भाजपा नेता और सांसद श्रीमती सीमा द्विवेदी थी।

मुख्य वक्ता भाजपा नेता और सांसद श्रीमती सीमा द्विवेदी ने कहा कि देवतुल्य कार्यकताओं के साथ सांगठनिक विषयों एवं वैचारिक अधिष्ठान पर संवाद करने का सुअवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग भारतीय जनता पार्टी की वह रीढ़ है जो कार्यकताओं में राष्ट्र प्रथम की भावना, अनुशासन और सेवा के संकल्प को और अधिक प्रगाढ़ बनाती है। निश्चित ही यह प्रशिक्षण वर्ग कार्यकताओं की ऊर्जा और क्षमता को नई दिशा देने में मील का पत्थर साबित होगा। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता , प्रदेश प्रवक्ता मनीष शुक्ला, महानगर महामंत्री डा शैलेंद्र पाण्डेय , पूर्व जिला अध्यक्ष रणजीत सिंह सहित संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारीगण, जन प्रतिनिधिगण एवं कर्मठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हत्या के प्रयास में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। कैण्ट थाने की पुलिस द्वारा धारा 109(1) बीएनएस से सम्बन्धित अभियुक्त आमिर उर्फ कल्लू निवासी 23 मऊ सरैया कब्रिस्तान अशोक नगर थाना कैंट जनपद प्रयागराज को आशा हास्पिटल के सामने से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि जावेद निवासी 23 मऊसरैया अशोक नगर थाना कैंट जनपद प्रयागराज द्वारा पुलिस को सूचना दी गई थी।बताया गया था कि उसको और उसके भाई को जान से मारने की नियत से बम मारकर गम्भीर रुप से घायल कर दिया गया। जानकारी मिलने पर थाना कैण्ट पुलिस द्वारा धारा 109(1) बीएनएस का मुकदमा दर्ज किया गया। अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीमों का गठन किया गया था। रविवार को कल्लू पुलिस के हत्थे चढ़ गया।

जीएसटी एंड कस्टम्स थीम पर निकाली सायकिल यात्रा

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। केंद्रीय जीएसटी एवं केंद्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्तालय, इलाहाबाद द्वारा साइकिल रैली "सनडेज ऑन साइकिल" कैंपेन का आयोजन "जीएसटी एवं कस्टम्स" थीम के अंतर्गत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अपर आयुक्त रजनी कान्त मिश्र द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक निर्धारित मार्ग पर साइकिल यात्रा की। साइकिल मैराथन का आयोजन केंद्रीय जीएसटी एवं केंद्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्तालय, सिविल लाइंस, प्रयागराज से प्रारंभ होकर महात्मा गांधी मार्ग, चर्च चौराहा, सरोजिनी नायडू मार्ग, निगम कार्यालय, नवाब यूसुफ रोड तथा डीआरएम चौराहा होते हुए पुनः आयुक्तालय परिसर पर खत्म हुआ। इस अवसर पर विभाग के सेवानिवृत्त अधिकारियों, कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों, व्यापारीयो, अधिवक्ताओं, चार्टर्ड अकाउंटेंट एवं उनके परिवारजनों तथा आम जनमानस ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, फिटनेस को बढ़ावा देने के साथ साथ कर के प्रति समाज में सकारात्मक संदेश प्रसारित करना रहा।

इस अवसर पर स्थानीय प्रशासन, पुलिस प्रशासन, ट्रैफिक, चिकित्सा एवं अन्य संबंधित विभागो की मौजूदगी रही। जिसके लिए आयुक्तालय द्वारा सभी संबंधित विभागों का आभार व्यक्त किया गया। केंद्रीय जीएसटी एवं केंद्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्तालय, इलाहाबाद द्वारा भविष्य में भी जन-जागरूकता एवं स्वास्थ्य संवर्धन से जुड़े ऐसे आयोजनों को निरंतर आयोजित किए जाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

अनुमति न मिलने से नही लगा गाजी मिया का मेला कई थानो की पुलिस व पीएसी तैनात

सबसे तेज प्रयागराज

बहरिया। सिकंदरा स्थित गाजी मियां की दरगाह पर लगने वाला वार्षिक बड़ा मेला शासन से अनुमति न मिलने के कारण रविवार को नहीं लग पाया। मेले में पहुंचने वाली भीड़ को रोकने के लिए पुलिस प्रशासन ने व्यापक तैयारी की थी। सिकंदरा कस्बे के चप्पे-चप्पे पर पुलिस और पीएसी के जवान तैनात रहे। तीन किलोमीटर पहले से ही सभी मार्गों को सील कर दिया गया था। भीड़ को नियंत्रित करने और विपरीत परिस्थितियों से निपटने के लिए छह एसीपी, बहरिया के तीन पूर्व थानाध्यक्ष, गंगानगर जोन के सभी थानों की पुलिस और डेढ़ सेक्शन पीएसी के जवान तैनात किए गए थे।

सिकंदरा में सैयद सालार मसूद गाजी मियां की दरगाह पर प्रत्येक रविवार

और बुधवार को रौजा मेला लगता है और लोग सिन्नी प्रसाद चढ़ाने आते हैं। प्रतिवर्ष जेष्ठ के महीने में तीन दिनों के लिए वार्षिक बड़े मेले का आयोजन किया जाता है। पिछले वर्ष शासन द्वारा रौजा मेले पर रोक लगाने से 23 मार्च 2025 को दरगाह के मुख्य गेट पर ताला लगवा दिया गया था। वार्षिक बड़ा मेला भी लगने नहीं दिया गया । कई महीने तक रौजा मेला नहीं लगा। लेकिन इधर फिर धीरे-धीरे रौजा मेला लगने लगा। इस बार 17 मई रविवार को दरगाह कमेटी द्वारा वार्षिक बड़े मेले का आयोजन किया गया था। लेकिन पुलिस प्रशासन ने अनुमति न मिलने का हवाला देते हुए एक बार फिर मेले पर प्रतिबंध लगा दिया । मेले में आने वाली भीड़ को रोकने एवं कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए एसीपी फूलपुर विवेक यादव सहित सहायक पुलिस आयुक्तों में सैफुद्दीन बेग, यशपाल सिंह, अरुण कुमार त्रिपाठी, शैलेंद्र सिंह परिहार, कुंज लता की तैनाती की गई। वर्तमान थाना अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह एवं चौकी इंचार्ज सिकंदरा अनुराग शर्मा के सहयोग के लिए बहरिया के पूर्व थाना अध्यक्ष रहे रमेश सिंह, महेश मिश्रा और ब्रजेंद्र सिंह की भी ड्यूटी लगाई गई। शनिवार को डीसीपी गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने भी पुलिस चौकी सिकंदरा में मताहतों के साथ बैठक कर दिशा निर्देश दिए। शनिवार की शाम को ही सिकंदरा कस्बे को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया। चप्पे चप्पे पर पुलिस और पीएसी के जवानों को तैनात कर दिया गया। मुख्य मार्गों पर बेरीकेटिग कर सभी मार्गों को सील कर दिया गया। जिसके कारण मेले में भीड़ नहीं पहुंच पाई।

होलागढ़ में सब्जी की दुकान में चोरी पड़ी महंगी

तीन सगे भाइयों ने पीट-पीटकर ली जान, पुलिस ने किया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

होलागढ़/प्रयागराज। गंगानगर जोन की होलागढ़ पुलिस ने हत्या के मामले में तीन सगे भाइयों अमित पटेल, अजय पटेल और संजय पटेल पुत्रगण श्याम लाल पटेल को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल 2 डंडे बरामद हुए हैं। दिनांक 12/05/2026 को भगवतीपुर खुटहना स्थित हनुमान मंदिर के पास आशीष पटेल का शव मिला था। जांच में सामने आया कि मृतक रात में अमित पटेल की सब्जी की दुकान में चोरी कर रहा था। आवाज सुनकर अमित जग गया और शोर मचाने पर उसके दोनों भाई अजय व संजय भी आ गए। तीनों ने मिलकर आशीष को डंडों से बुरी तरह पीटा और अधमरा छोड़कर भाग गए।

पुलिस ने रविवार को तीनों आरोपियों को मालापुर नहर पुलिया के पास से गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपी भगौतीपुर खुटहना के रहने वाले हैं। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्र0नि0 वीरेन्द्र कुमार मिश्र, व0उ0नि0 वीरेन्द्र प्रताप सिंह, हे0का0 हीरालाल यादव, का0 नन्द किशोर व अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

धरोहर में भजन की शानदार प्रस्तुति, श्रोता मंत्र मुग्ध

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। इलाहाबाद संग्रहालय के सप्ताहांत सांस्कृतिक संध्या 'धरोहर' के अंतर्गत रविवार को शिवशंकर मिश्र (बनारस घराना) ने अपने शानदार गायन से समाँ बांध दिया। राग पूरिया कल्याण पर 'बहुत दिन बीते अबहूँ न आयो मेरे श्याम' के पश्चात उन्होंने बेहतरीन अंदाज में 'चलो मन गंगा यमुना तीर' भजन सुनाकर खुशनुमा माहौल बना दिया। इसी क्रम में बनारसी बारहमासा 'नयी झुलनी के छईयां बलम दुपहरिया बिताई ल हो' के साथ भजन गायन का समापन किया। उनके साथ तबले पर शुभम पटवा, हारमोनियम पर अनुराग मिश्र ने संगत किया। इस अवसर पर बडी संख्या में संगीत प्रेमी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन सुशील शुक्ल ने किया।

पुलिस ने 2 शराब तस्कर पकड़कर जेल भेजा

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। जीआरपी थाना प्रयागराज व सीआईबी आरपीएफ की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा रेलवे स्टेशन प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफार्म नम्बर 4/5 पर एफओबी एक के पास दो शराब तस्कर गिरफ्तार किए गए हैं।पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए दोनों अभियुक्त नीरज कुमार, भोला कुमार हैं। इन दोनों को अवैध अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर धारा 60 आबकारी अधिनियम का मुकदमा दर्ज कर दोनों को जेल भेज दिया गया।

प्रभारी निरीक्षक जीआरपी अकलेश कुमार सिंह ने बताया कि दो शराब तस्कर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए) ने की "ग्रीन मोबिलिटी अभियान" की शुरूआत

वाराणसी। उत्तर प्रदेश में वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए) ने रविवार से ह्यग्रीन मोबिलिटी अभियानह्व की शुरूआत की है। अभियान के तहत अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इलेक्ट्रिक (ई-) दुपहिया वाहनों के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, वायु प्रदूषण में कमी, ऊर्जा संरक्षण एवं सतत विकास को बढ़ावा देना है।

वीडीए के जनसम्पर्क कार्यालय के अनुसार, फिलहाल प्राधिकरण में 400 से अधिक नियमित एवं आउटसोर्सिंग कार्मिक कार्यरत हैं। इनमें से लगभग 90 प्रतिशत अधिकारी एवं कर्मचारी प्रतिदिन कार्यालय आने-जाने, फील्ड निरीक्षण, प्रवर्तन, परियोजना अनुश्रवण एवं अन्य विभागीय कार्यों के लिए पेट्रोल चालित दो-पहिया वाहनों का उपयोग करते हैं। इसे देखते हुए ई-वाहनों को बढ़ावा देने का निर्णय लिया गया है, जिससे कार्बन उत्सर्जन एवं ईंधन व्यय दोनों में कमी लाई जा सके।

अभियान के प्रथम चरण में 100 ई-बाइकों का ऑर्डर दिया जा रहा है। कर्मचारियों को ई-वाहन खरीदने हेतु प्रेरित करने के साथ विभिन्न ई-वाहन कंपनियों एवं डीलरों से संस्थागत छूट दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही बैंकों एवं वित्तीय संस्थाओं के सहयोग से आसान एवं कम ब्याज दर पर ऋण सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में भी कार्यवाही की जा रही है। बताया गया कि राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा ई-वाहनों पर दी जा रही सब्सिडी, रोड टैक्स एवं पंजीकरण शुल्क में छूट जैसी योजनाओं का लाभ भी कर्मचारियों को उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त प्राधिकरण के मुख्य एवं जोनल कार्यालयों में ई-वाहन चार्जिंग स्टेशन विकसित किए जा रहे हैं, जिनका लाभ आमजन भी उठा सकेंगे।

वीडीए उपाध्यक्ष पूर्ण बोरा के पहल पर यह अभियान पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ कर्मचारियों के लिए आर्थिक रूप से भी लाभकारी सिद्ध होगी। अनुमान है कि इस पहल से प्रतिदिन लगभग 300-400 लीटर पेट्रोल/डीजल की बचत होगी।

एक पक्षीय कार्रवाई और अवैध हिरासत के आरोप में डीसीपी यमुनानगर की कार्रवाई

घूरपुर थाना प्रभारी दिनेश सिंह निलंबित

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। पुलिस आयुक्त जोगेन्द्र कुमार के निर्देशन में पुलिस उपायुक्त यमुनानगर ने घूरपुर थाना प्रभारी दिनेश सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उन पर एक पक्षीय कार्रवाई करने और तीन लोगों को अवैध रूप से थाने में हिरासत में रखने का आरोप है।

पुलिस के अनुसार ग्राम सेन्धूवार निवासी कमलेश विश्वकर्मा की शिकायत पर मामले की जांच कराई गई। आरोप था कि घूरपुर थाने पर तैनात प्रभारी निरीक्षक दिनेश सिंह ने एक पक्ष का अनुचित समर्थन करते हुए तीन लोगों को थाने लाकर अवैध रूप से बैठाए रखा।

मामले की जांच सहायक पुलिस आयुक्त बारा वेद व्यास मिश्रा को सौंपी गई थी। जांच में आरोपों की पुष्टि होने के बाद थाना प्रभारी को निलंबित कर विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

प्रेस नोट में यह भी कहा गया कि पूर्व में सभी थाना प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि बिना अपराध और बिना उचित कारण किसी को थाने पर न लाया जाए। इसके बावजूद आदेशों की अनदेखी पाए जाने पर यह कार्रवाई की गई।

नैनी में युवक की गोली मारकर हत्या

प्रॉपर्टी कारोबार में पैसों के लेनदेन को लेकर वारदात, पुलिस ने कई संदिग्धों को हिरासत में लिया

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । नैनी के एग्रीकल्चर पुलिस चौकी क्षेत्र अंतर्गत महेवा स्थित यमुनोत्री नगर के सामने रविवार को एक पीएचडी होल्डर युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई। प्रारंभिक जांच में घटना के पीछे प्रॉपर्टी कारोबार में पैसों के लेनदेन का विवाद सामने आ रहा है।

सूत्रों के मुताबिक महेवा पुरवा निवासी अजहरुद्दीन पुत्र बदरुद्दीन ने शुअट्स से पीएचडी की थी। पिता के निधन के बाद घर की जिम्मेदारी उसी पर थी, जबकि बड़ा भाई अलाउद्दीन लंबे समय से बीमार बताया जा रहा है। बेरोजगारी के बीच अजहर कुछ लोगों के साथ प्रॉपर्टी का कारोबार कर रहा था। बताया जा रहा है कि कारोबार में फंसे अपने पैसे वापस लेने को लेकर वह लगातार साथियों पर दबाव बना रहा था। रविवार

दोपहर उसे पैसे देने के बहाने महेवा स्थित एक गेस्ट हाउस के पास बने कार्यालय में बुलाया गया। वहां पहले से कुछ लोग कार में मौजूद थे।

करीब तीन से चार बजे के बीच अजहर कार्यालय पहुंचा। आरोप है कि पैसे की मांग करने पर वहां मौजूद लोगों ने उसकी कनपटी पर गोली मार दी। गोली लगते ही वह लहूलुहान होकर गिर पड़ा। फायरिंग की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने एक कारतूस का खोखा बरामद किया।

गंभीर हालत में अजहरुद्दीन को जिला अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने इस मामले में कई संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। फिलहाल किसी गिरफ्तारी की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। घटना के बाद इलाके में तनाव को देखते हुए पुलिस सतर्कता बढ़ा दी गई है।

संपादकीय

नेताओं को वेतन और भत्तों में कटौती करनी चाहिए

देश जब किसी बड़े संकट से गुजरता है, तब केवल सरकारों की नीतियाँ ही नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग का आचरण भी कसौटी पर परखा जाता है। इतिहास गवाह है कि कठिन समय में वही राष्ट्र मजबूत होकर उभरे हैं, जहाँ नेतृत्व ने जनता के सामने त्याग, सादगी और नैतिकता का उदाहरण प्रस्तुत किया। आज जब देश आर्थिक, सामाजिक और मानवीय चुनौतियों से जूझ रहा है, तब यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि सांसदों और विधायकों सहित सभी जनप्रतिनिधि अपने वेतन, भत्तों और सरकारी सुविधाओं का त्याग कर देशहित में एक प्रेरणादायक संदेश दें।

सांसद और विधायक लोकतंत्र के प्रतिनिधि होते हैं। वे जनता के वोट से चुनकर संसद और विधानसभाओं तक पहुँचते हैं। जनता उनसे केवल कानून बनाने या भाषण देने की अपेक्षा नहीं करती, बल्कि यह भी चाहती है कि वे समाज के लिए आदर्श बनें। ऐसे समय में जब लाखों लोग बेरोजगारी, महँगाई, स्वास्थ्य संकट और आर्थिक कठिनाइयों से जूझ रहे हों, तब जनप्रतिनिधियों द्वारा मिलने वाले मानदेय, गाड़ी भत्ता, डीजल-पेट्रोल खर्च, मकान किराया और टेलीफोन बिल जैसी सुविधाओं का त्याग निश्चित रूप से जनता के मन में विश्वास और सम्मान पैदा करेगा।

भारत एक लोकतांत्रिक देश है, जहाँ जनप्रतिनिधियों को अनेक प्रकार की सुविधाएँ इसलिए दी जाती हैं ताकि वे अपने दायित्वों का निर्वहन सुचारु रूप से कर सकें। लेकिन जब देश संकट में हो, तब नैतिकता यह कहती है कि नेतृत्व सबसे पहले अपने विशेषाधिकारों में कटौती करे। यह केवल आर्थिक बचत का प्रश्न नहीं है, बल्कि संवेदनशीलता और नैतिक जिम्मेदारी का विषय भी है। यदि देश का आम नागरिक कठिनाइयों में अपने खर्च कम कर सकता है, तो जनप्रतिनिधियों को भी त्याग और संयम का परिचय देना चाहिए।

आज समाज में राजनीति के प्रति अविश्वास बढ़ने का एक बड़ा कारण यह है कि जनता को लगता है कि नेताओं और आम नागरिकों के जीवन में बहुत बड़ा अंतर है। चुनाव के समय नेता जनता के बीच जाकर सेवा और त्याग की बातें करते हैं, लेकिन सत्ता में आने के बाद अनेक बार वे सुविधाओं और विशेषाधिकारों में उलझ जाते हैं। यही कारण है कि लोकतंत्र की आत्मा कमजोर होती दिखाई देती है। यदि सांसद और विधायक स्वेच्छा से अपने वेतन और भत्तों का त्याग करें, तो यह राजनीति में नैतिकता की नई शुरूआत हो सकती है।

इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं, जब नेताओं ने व्यक्तिगत सुख-सुविधाओं का त्याग कर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा। महात्मा गांधी ने सादगी को अपना जीवन बनाया। लाल बहादुर शास्त्री ने देशवासियों से एक समय का उपवास रखने की अपील की और स्वयं भी उसका पालन किया। स्वतंत्रता आंदोलन के अनेक सेनानियों ने व्यक्तिगत सुख, संपत्ति और परिवार तक का त्याग कर दिया। आज के नेताओं के सामने परिस्थितियाँ भले अलग हों, लेकिन राष्ट्रसेवा की भावना वही होनी चाहिए।

यदि सांसद और विधायक अपने भत्तों और सुविधाओं का कुछ हिस्सा भी छोड़ दें, तो उससे करोड़ों रुपये की बचत हो सकती है। यह धन स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा, गरीबों के कल्याण, किसानों की सहायता और आपदा राहत जैसे कार्यों में लगाया जा सकता है। देश में ऐसे लाखों परिवार हैं, जिन्हें आज भी मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध नहीं हैं। कई गरीब बच्चे शिक्षा से वंचित हैं, अनेक ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएँ कमजोर हैं, और किसान आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। ऐसे में जनप्रतिनिधियों का त्याग केवल प्रतीकात्मक कदम नहीं होगा, बल्कि वास्तविक मदद का माध्यम भी बन सकता है।

संकट में संयम की अपील

रोहित माहेश्वरी

खाड़ी युद्ध से उपजे हालात व बाधित वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के बीच प्रधानमंत्री का ईंधन के उपयोग व सोने की खरीद में संयम बरतने का आह्वान निस्संदेह, वक्त की जरूरत है। ऐसे सवाल यह है कि क्या भारत आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है? क्या आर्थिक आपातकाल के आसार हैं और भारत सरकार कुछ कड़े और बड़े फैसले ले सकती है? क्या कुछ पाबंदियां भी चस्पां की जा सकती हैं? देश की आर्थिक सेहत का मूल्यांकन करने वाली संस्थाओं-रिजर्व बैंक, मूडीज, एसएंडपी, विश्व बैंक, फिच और एशियन डेवलपमेंट बैंक-ने भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की विकास दर घटा दी है। जाहिर है कि हमारी अर्थव्यवस्था में संकुचन आया है। खुद प्रधानमंत्री ने माना है कि कोरोना महामारी वैश्विक संकट थी, तो ईरान युद्ध इस दशक का सबसे बड़ा संकट है।

दरअसल युद्ध और होर्मुज जलमार्ग बंद होने के कारण ऊर्जा-संकट दुनिया भर में है। कच्चा तेल महंगा मिलने के कारण भारत को हर रोज 1619 करोड़ रुपए अतिरिक्त खर्च करने पड़ रहे हैं। आयात बिल में खाद्य तेल पर 1.86 लाख करोड़ और खाद पर 1.38 लाख करोड़ रुपए खर्च करने पड़ते हैं। बाजार में यूरिया, डीएपी की कीमतें दोगुनी बढ़ा दी गई हैं। इसके अलावा, सरकार को खाद पर करीब 2 लाख करोड़ रुपए की सब्सिडी किसानों को देनी पड़ रही है। नतीजतन बुनियादी ढांचे और विकास पर किया जाने वाला पूंजीगत खर्च कम करना पड़ रहा है। चालू खाते का घाटा बढ़ सकता है। तमाम आयातों पर विदेशी मुद्रा खर्च होती है। यह ह्यअकालह्ल हम 1990-92 के दौर में झेल चुके हैं, जब देश का 67 टन सोना गिरवी रखना पड़ा था। प्रधानमंत्री मोदी ने आर्थिक संकट और पेट्रो उत्पादों की कमी के कारण देश से अपील नहीं की है। वह न ही किसी तरह के ह्यदानह्ल के पक्ष में हैं, जैसा कि जवाहर लाल नेहरू और इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री कालों के दौरान किया गया था। प्रधानमंत्री आयात कम करने के पक्षधर हैं, ताकि विदेशी मुद्रा को बचाया जा सके।

आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर कदम : सोना बचत और वर्क फ्रॉम होम का संदेश

सुनील कुमार महला

हाल ही में हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से पेट्रोल-डीजल की बचत करने, अनावश्यक विदेश यात्राओं से बचने, ह्यवर्क फ्रॉम होम'(जैसा कि हमने कोविड काल के दौरान इसे अमल में लाया था) जैसे उपाय अपनाने तथा एक वर्ष तक गैर-जरूरी सोना नहीं खरीदने की अपील की है। वास्तव में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह अपील पश्चिम एशिया संकट, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर बढ़ते दबाव के संदर्भ में की गई है। पिछले कुछ समय से हमारे देश के साथ ही साथ पूरे विश्व ने पश्चिम एशिया संकट का सामना किया। मसलन, युद्ध के कारण पूरे विश्व में खाद्य पदार्थों में जहां एक ओर महंगाई का सामना करना पड़ा, वहीं दूसरी ओर तेल-गैस संकट के बादल भी मंडराए। गैस के लिए लंबी-लंबी कतारें हमें हर कहीं पर देखने को मिलीं,कई स्थानों पर तो तेल के लिए भी कमोबेश यही स्थिति देखने को मिली। इस क्रम में प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अपनी जरूरत का अधिकांश कच्चा तेल और बड़ी मात्रा में सोना आयात करता है। ऐसे में पेट्रोल-डीजल और सोने पर अधिक खर्च से विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ता है तथा व्यापार घाटा भी बढ़ सकता है। इसलिए हमें यह चाहिए कि हम हर क्षेत्र में बचत को महत्व दें। वास्तव में मनुष्य के जीवन में बचत का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। बचत केवल हमारे अर्थ(धन) को ही सुरक्षित रखने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह हमारे भविष्य की सुरक्षा, हमारी आत्मनिर्भरता और संतुलित जीवन का आधार भी बनता है। हमें यह याद रखना चाहिए कि मनुष्य के जीवन में कभी भी अचानक बीमारी, आर्थिक संकट, बेरोजगारी या अन्य कठिन परिस्थितियाँ आ सकती हैं। ऐसे समय में बचत ही मनुष्य का सबसे बड़ा सहारा बनती है। यही कारण है कि कहा जाता है- ह्यबूंद-बूंद से घड़ा भरता है।ह्ल छोटी-छोटी बचतें भविष्य में बड़ी शक्ति बन जाती हैं।हमारी सनातन भारतीय संस्कृति में बचत की परंपरा प्राचीन काल से रही है। कहना गलत नहीं होगा कि हमारे यहां तो लोग सदैव सादा जीवन, उच्च विचार और विवेकपूर्ण खर्च को महत्व देते आए हैं। प्राचीन काल गांवों में लोग अनाज, घी, धन और अन्य आवश्यक वस्तुओं का संग्रह कर-के रखते थे, ताकि कठिन समय में परिवार सुरक्षित रह सके। गृहिणियाँ भी घर के खर्च से थोड़ा-थोड़ा बचाकर भविष्य के लिए संचित करती थीं। यही पारिवारिक बचत भारतीय समाज की आर्थिक मजबूती का आधार रही है।हमारे बुजुर्ग हमेशा यह शिक्षा देते थे कि आय से कम खर्च करना चाहिए और अनावश्यक दिखावे से बचना चाहिए। भारतीय परिवारों में बच्चों को भी छोटी उम्र से ही गुल्लक में पैसे जमा करने की आदत डाली जाती रही है। यह केवल आर्थिक शिक्षा नहीं, बल्कि संयम और दूरदर्शिता का संस्कार भी है। बहरहाल, यहां यह कहना चाहूंगा कि बचत की प्रेरणा हमें चींटियों से लेनी चाहिए। वास्तव में, चींटियां हमें बचत, परिश्रम और दूरदर्शिता की अद्भुत प्रेरणा देती हैं। छोटी-सी दिखाई देने वाली चींटी अपने भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए निरंतर मेहनत करती रहती है। वह अनुकूल समय में भोजन के छोटे-छोटे कण इकट्ठा करके अपने बिल में जमा करती है, ताकि विपरीत परिस्थितियों में उसे कठिनाई न हो। यही कारण भी है कि चींटी को बचत और अनुशासन का प्रतीक माना जाता है। कहना गलत नहीं होगा कि थोड़ी-थोड़ी बचत भविष्य में बड़े संकटों से बचा सकती है। जिस प्रकार चींटी कभी आलस्य नहीं करती और लगातार अपने लक्ष्य में लगी रहती है, उसी प्रकार हमें भी अपने जीवन में परिश्रम, संयम और बचत की आदत अपनानी चाहिए। चींटियां यह संदेश देती हैं कि भविष्य की चिंता केवल सोचने से नहीं, बल्कि आज से तैयारी करने से दूर होती है। उनका जीवन हमें सिखाता है कि छोटी कोशिशें और छोटी बचतें ही आगे चलकर बड़ी ताकत बनती हैं। इसलिए कहा जा सकता है कि चींटियां केवल प्रकृति का जीव नहीं, बल्कि जीवन प्रबंधन की एक महान शिक्षक भी हैं।आज उपभोक्तावाद और दिखावे की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण बचत की आदत कमजोर होती जा रही है, जबकि वर्तमान समय में इसकी आवश्यकता और भी अधिक बढ़ गई है। बचत व्यक्ति को आत्मविश्वास देती है और देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बनाती है। इसलिए हमें अपनी पुरानी परंपराओं से प्रेरणा लेते हुए बचत को जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाना चाहिए। हाल फिलहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागरिकों से सार्वजनिक परिवहन, कारपूलिंग, इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग और ह्यलोकल फॉर वोकलह्ल को बढ़ावा देने की भी अपील की। साथ ही विदेश यात्राओं, डेस्टिनेशन वेडिंग और गैर-जरूरी खर्चों को टालने का आग्रह किया।ह्ललोकल फॉर वोकलह्ल से देश का पैसा देश में ही रहेगा और देश और अधिक आर्थिक तरक्की तथा आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर होगा। हाल फिलहाल, प्रधानमंत्री की यह अपील आर्थिक अनुशासन, विदेशी मुद्रा संरक्षण और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच देश की आर्थिक स्थिरता बनाए रखने की रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है। आज हम अनावश्यक खर्च करते हैं। हम संसाधनों का सही व विवेकपूर्ण इस्तेमाल करें और जहां तक हो सके बचत को जीवन में अपनाएं। वास्तव में प्रधानमंत्री की यह कटौती की नहीं, बल्कि स्मार्ट लाइफ स्टाइल की सलाह है, और हम मिलकर ये सब आसानी से कर सकते हैं। कहना गलत नहीं होगा कि समझदारी से खर्च बनेगा देश के लिए आर्थिक रूप से बहुत ही सहायक सिद्ध हो सकता है। वास्तव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सरकार यह नहीं कह रहे कि कोई संकट है, जिसमें हमें खर्च घटाने हैं, बल्कि उन्होंने तो यह अपील की हैं कि युद्ध के इस दौर में हमें ऐसे खर्च कम करने हैं, जिससे देश की विदेशी मुद्रा की बचत हो सके। हम स्मार्ट लाइफ स्टाइल अपनाकर इस बबार्दी को रोक सकते हैं, ताकि देश के सामने आर्थिक संकट न आए।कोविड काल में हमने बचत के बड़े उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। मसलन, घर से कामकाज किया, तेल की बचत हुई, पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती मिली।हमारी उत्पादकता (प्रोडेक्टिविटी) में अभूतपूर्व बढ़ोत्तरी देखने को मिली। जब संकट आए तब ही हम बचत क्यों करें, जीवन के हर पलों में हमें बचत करनी चाहिए, ताकि कभी कोई संटक आए ही नहीं।पीएम ने वर्क फ्रॉम होम की सलाह दी है, जो संसाधनों की बचत के साथ आर्थिक नजरिये से भी फायदेमंद है। ऐसे ऑर्गनाइजेशन जहां, 100-200 या ज्यादा स्टाफ है, वहां लोगों को वर्क फ्रॉम होम या हाइब्रिड मॉडल में काम की सुविधा दी गई तो तेल का खर्च बचेगा। यात्रा की थकान कम होगी और प्रोडक्टिविटी भी बढ़ेगी। प्रधानमंत्री ने विदेश में डेस्टिनेशन वेडिंग से बचने और गैर-जरूरी विदेश यात्रा टालने को कहा है। आंकड़े बताते हैं कि देश की तुलना में विदेश में डेस्टिनेशन वेडिंग में 30-36% तक ज्यादा खर्च होता है। इसमें देश का बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा भंडार खर्च होता है। एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार अभी भारत की हर 100 डेस्टिनेशन वेडिंग में 15 विदेश में होती है। भारत में डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए राजस्थान, उत्तराखंड, गुजरात, गोवा, हिमाचल और कश्मीर जैसी कई जगहें हैं, जिनका चुनाव किया जा सकता है। आज इलेक्ट्रिक गाड़ी सबसे प्रभावी विकल्प है,बचत का। इससे पाल्यूशन भी नहीं होता,तेल की भी बचत होती है।सरल शब्दों में कहें तो इलैक्ट्रिक व्हीकल (ई-व्हीकल) पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। ये वाहन पेट्रोल-डीजल की तुलना में कम प्रदूषण फैलाते हैं, जिससे वायु गुणवत्ता बेहतर होती है। ई-व्हीकल चलाने में खर्च भी कम आता है, क्योंकि बिजली की लागत ईंधन से सस्ती होती है। इसके अलावा, ध्वनि प्रदूषण भी कम होता है और देश की तेल पर निर्भरता घटती है। आधुनिक तकनीक से लैस ये वाहन ऊर्जा संरक्षण और स्वच्छ भविष्य के लिए उपयोगी साबित हो रहे हैं। आज केमिकल खाद के स्थान पर जैविक खाद का इस्तेमाल बहुत फायदेमंद सिद्ध हो सकता है।

जोड़-तोड़कर सरकार बनाने की रणनीति

अशोक भाटिया

भारतीय जनता पार्टी ने साल 2014 में पहली बार पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता हासिल की, तब से विपक्षी सांसदों और विधायकों द्वारा पार्टी की निष्ठा बदलकर भाजपा में शामिल होने के कई उदाहरण सामने आए हैं। राघव चड्ढा के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों का हाल ही में भाजपा में शामिल होना इसी का एक उदाहरण है।

मार्च 2020 में मध्य प्रदेश में कमल नाथ की सरकार गिराने के लिए 22 कांग्रेस विधायकों ने इस्तीफा दे दिया। कुछ मामलों में नेता सीधे भाजपा में शामिल नहीं होते, लेकिन उसकी मदद करते हैं। जैसे 2020 में मणिपुर में, आठ कांग्रेस विधायकों ने अपनी पार्टी के आदेश (व्हिप) को नहीं माना और विश्वास मत के दौरान वोटिंग से दूर रहे, जिससे भाजपा सरकार बच गई। इसके अलावा, कई बार नेता सीधे भाजपा में भी शामिल हो जाते हैं।

आम आदमी पार्टी के सात बागी सांसदों ने एक ऐसी विधि का इस्तेमाल किया है जिसका इस्तेमाल अतीत में कई बार किया जा चुका है झ्र दलबदल विरोधी कानून के तहत अयोग्यता से बचने के लिए सदन में पार्टी के दो-तिहाई से अधिक सदस्यों को तोड़ना और पीठासीन अधिकारी के फैसले के अधीन भाजपा के साथ विलय का दावा करना।

आम आदमी पार्टी के सांसदों का दल-बदल पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल के लिए एक बड़ा झटका रहा है , जिससे यह संदेश जाता है कि पार्टी पर उनका नियंत्रण नहीं है। भाजपा ने केजरीवाल के मुख्यमंत्री रहते हुए उनके मुख्यमंत्री आवास की योजना को फिर से उठाया है और इस तरह उनके खिलाफ अपने शीश महल विवाद को फिर से हवा देने की कोशिश की है।आम आदमी पार्टी के संकट से पहले भी विपक्षी दलों ने भाजपा पर बार-बार आरोप लगाया है कि वह उनकी पार्टियों को विभाजित करने और अलग हुए गुटों के साथ गठबंधन सरकार बनाने के लिए एक के बाद एक राज्यों में ऑपरेशन लोटस चला रही है। विपक्षी विधायकों द्वारा भाजपा में विलय करके सरकार बनाने में मदद करने के कई मामले भी सामने आए हैं।

2023 में अजीत पवार ने एनसीपी को विभाजित कर दिया। इसमें पार्टी के ज्यादातर विधायकों और नेताओं ने उनका समर्थन किया। एनसीपी ने तब एक बयान जारी कर कहा था, 30 जून, 2023 को एनसीपी के विधायी और संगठनात्मक दोनों विंग के सदस्यों के भारी बहुमत से हस्ताक्षरित एक प्रस्ताव पारित किया गया, जिसके तहत अजीत अनंतराव पवार को एनसीपी का अध्यक्ष चुना गया। एनसीपी ने अजीत पवार को महाराष्ट्र विधानसभा में एनसीपी विधायक दल का नेता नियुक्त करने का भी निर्णय लिया और इस निर्णय को एनसीपी विधायकों के भारी बहुमत से पारित प्रस्ताव द्वारा अनुमोदित किया गया।इसके बाद, दिवंगत अजीत पवार ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर अपने गुट को असली एनसीपी के रूप में मान्यता देने की मांग की, साथ ही उन्होंने शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला।2022 में शिंदे ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना को विभाजित कर दिया और उसके 55 विधायकों में से 40 और 19 सांसदों में से 12 को अपने साथ भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए में ले गए। इन दोनों ही मामलों में, चुनाव आयोग ने अलग हुए गुटों को मूल पार्टी चिन्ह दिया और शिंदे सेना और अजीत एनसीपी दोनों को असली पार्टी के रूप में मान्यता दी। शिंदे का उद्देश्य उद्धव सेना को विभाजित करके भाजपा के समर्थन से मुख्यमंत्री बनना था। वहीं, एनसीपी के मामले में, अजीत पवार का लक्ष्य न केवल सरकार में शामिल होना था, बल्कि शरद पवार के नेतृत्व वाली पार्टी की विरासत पर दावा करना और अपनी चचेरी बहन सुप्रिया सुले को दरकिनार करना भी था। दोनों ही मामलों में भाजपा को लाभ हुआ, क्योंकि उद्धव सरकार के पतन के बाद एनडीए सत्ता में आया और फिर उसने अपनी स्थिति और मजबूत कर ली।नवंबर 2024 के विधानसभा चुनावों में एनडीए की शानदार जीत के बाद भाजपा ने देवेंद्र फड़नवीस को अपना मुख्यमंत्री बनाया और सहयोगी दलों ने उनके उपमुख्यमंत्री के पद पर समझौता कर लिया।

2019 में टीडीपी के छह राज्यसभा सांसदों में से चार भाजपा में शामिल हो गए। इससे उच्च सदन में पार्टी की संख्या दो-तिहाई हो गई। एक दिन बाद, तत्कालीन राज्यसभा अध्यक्ष एम। वेंकैया नायडू ने सदन में टीडीपी संसदीय दल को भाजपा में विलय करने का आदेश जारी किया।

आजादी का मोल तो जान लिया, पर नागरिक होने का फर्ज कब सीखेंगे?

दिलीप कुमार पाठक

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में 10 मई की तारीख महज एक घटना नहीं, बल्कि एक हमारी चेतना के उदय का प्रतीक है। संयोग देखिए कि वर्ष 1857 के उस रविवार और आज के रविवार में एक अद्भुत समानता है झ्र वही तारीख और वही दिन। लेकिन इस समानता के बीच समय का एक लंबा फासला है, जो हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि जिस आजादी की नींव मेरठ की उन गलियों में रखी गई थी, उसे एक नागरिक के तौर पर हमने कितना समझा है। 10 मई 1857 की उस शाम मेरठ छावनी में जब भारतीय सैनिकों ने विद्रोह का बिगुल फूंका, तो वह केवल एक सैन्य बगावत नहीं थी। वह बरसों से दबे हुए उस गुस्से की आवाज थी, जो ब्रिटिश शासन के जुल्म और बेइज्जती के खिलाफ पनप रहा था।

अक्सर कहा जाता है कि बगावत चर्बी वाले कारतूसों की वजह से हुई, लेकिन असल में यह लड़ाई अपनी मिट्टी और अपनी पहचान को बचाने की थी। सोचिए, उस दौर में न तो आज की तरह मोबाइल फोन थे और न ही इंटरनेट। उन सैनिकों के पास लड़ने के लिए न तो बहुत आधुनिक हथियार थे और न ही सुख-सुविधाएं। इसके बावजूद उन्होंने ह्यरोटी और कमलह्ल जैसे साधारण प्रतीकों के जरिए पूरे देश को जोड़ दिया। यह जुड़ाव इतना मजबूत था कि आज की इस सूचना क्रांति के दौर में भी वह एक मिसाल है। मेरठ से दिल्ली की ओर बढ़ने वाले उन क्रांतिकारियों के बीच धर्म, जाति या इलाके की कोई दीवार नहीं थी। उस वक्त उनके सामने सिर्फ एक ही लक्ष्य था झ्र देश को गुलामी की जंजीरों से बाहर निकालना। हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई सैनिकों ने आपसी मतभेद भुलाकर कंधे से कंधा मिलाया और दिल्ली के तख्त को अपना नेतृत्व सौंपा। भारतीय एकता के उस सुनहरे दौर को आज के विखंडित होते समाज मे फिर से याद करने की बहुत जरूरत है। लेकिन जब हम आज के हालात में उस महान क्रांति को देखते हैं, तो कई कड़वी सच्चाईयां सामने आती हैं।

आजादी मिले साढ़े सात दशक बीत चुके हैं, पर क्या हम वाकई एक जागरूक और चेतना संपन्न नागरिक बन पाए हैं? आज हमारे पास संविधान से मिले अधिकार तो हैं, परंतु हम उनके लिए लड़ना नहीं जानते और जब उन्हीं अधिकारों के साथ जुड़ी अपनी जिम्मेदारियों को निभाने की बात आती है, तो हम अक्सर मुंह फेर लेते हैं। आज के समय की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि हम आजादी का मतलब सिर्फ ह्यबाधाओं से मुक्तिह्ल या अपनी मनमर्जी करना समझ बैठे हैं। हमें लगता है कि आजादी का मतलब है कि हमारे ऊपर कोई रोक-टोक न हो, जबकि असली आजादी खुद पर नियंत्रण रखने और अपने उत्तरदायित्वों को निभाने में है।

आर्थिक शक्ति बढ़ रही है, पर बौद्धिक शक्ति सीमाएँ लाँघ रही है

प्रो. आरके जैन अरिजीत

जब दुनिया की अर्थव्यवस्था अदृश्य संबंधों से नई दिशा गढ़ती है, तब भारत वह धुरी बनकर उभरता है जहाँ प्रवासन केवल स्थानांतरण नहीं, बल्कि वैश्विक प्रभाव की प्रक्रिया बन जाता है—यही चित्र विश्व प्रवासन रिपोर्ट 2026 प्रस्तुत करती है। 2024 में 138 अरब डॉलर (लगभग 11.5 लाख करोड़ रुपये) का रेमिटेंस सिर्फ आँकड़ा नहीं, बल्कि 19 मिलियन भारतीय प्रवासियों की प्रतिभा, परिश्रम और उनके योगदान का सशक्त प्रमाण है। यह पहली बार है जब किसी देश ने 100 अरब डॉलर की सीमा पार की है। अब गल्फ देशों से आगे बढ़कर अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया से आने वाले उच्च-कुशल भारतीय पेशेवरों का योगदान भारत की बदलती प्रवासन संरचना और उसकी तेजी से उभरती वैश्विक आर्थिक शक्ति को दशार्ता है।

आज का भारतीय प्रवासन अब श्रम-आधारित नहीं, बल्कि तेजी से उच्च-कुशल वैश्विक गतिशीलता में बदल चुका है। आईटी विशेषज्ञ, डॉक्टर, इंजीनियर, शोधकर्ता और छात्र बेहतर वेतन, उन्नत शोध अवसरों और उच्च जीवन स्तर के लिए विदेश जा रहे हैं। विश्व बैंक और विभिन्न अध्ययनों के अनुसार एच-1बी जैसी नीतियों ने भारतीय आईटी कौशल को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूत बनाया, लेकिन घरेलू प्रशिक्षण और रोजगार पर भी असर डाला है। आईआईटी जैसे संस्थानों के कई छात्र, खासकर टॉप रैंकर्स में एक तिहाई या अधिक विदेश जाते हैं, जिससे प्रतिभा का बड़ा हिस्सा बाहर चला जाता है, हालांकि कुछ मामलों में यह ब्रेन सकुर्लेशन का रूप भी लेता है।

रेमिटेंस आज भारतीय अर्थव्यवस्था की एक सशक्त वित्तीय धारा बन चुका है, जो परिवारों की आय को तुरंत सुदृढ़ कर शिक्षा, स्वास्थ्य और उपभोग व्यय को तेजी से बढ़ाता है।

इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में भी नई ऊर्जा, स्थिरता और क्रय शक्ति का विस्तार होता है। आरबीआई के अनुसार पश्चिमी देशों से आने वाला उच्च-मूल्य रेमिटेंस अब गल्फ देशों की तुलना में अधिक प्रभावी भूमिका निभा रहा है, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत होता है और घरेलू मांग को निरंतर बल मिलता है। लेकिन यह विकास का पूर्ण आधार नहीं है, क्योंकि उच्च-कुशल प्रतिभा के बाहर जाने से दीर्घकाल में नवाचार, अनुसंधान एवं उत्पादकता पर दबाव भी बढ़ सकता है।

यह प्रवासन केवल आर्थिक नहीं, बल्कि गहरे सामाजिक बदलावों की परतें भी उकेरता है। ह्यगल्फ वाइव्सह्ल और ह्यएनआरआई पैरेंट्सह्ल जैसी नई पारिवारिक संरचनाएँ तेजी से आकार ले रही हैं, जहाँ परिवार का एक हिस्सा विदेश में और दूसरा देश में भावनात्मक दूरी के साथ जीवन जीने को मजबूर होता है।

बुजुर्ग माता-पिता अकेलेपन और मानसिक तनाव से जूझते हैं, जिससे उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। युवा पीढ़ी में विदेश-गमन की आकांक्षा एक मजबूत सामाजिक प्रवृत्ति बन चुकी है, जिससे घरेलू शिक्षा और करियर के मानक भी विदेशी मॉडल की ओर झुकते जा रहे हैं। साथ ही, महिलाओं पर पारिवारिक जिम्मेदारियों का बोझ बढ़ने से उनके जीवन में सामाजिक और भावनात्मक दबाव और अधिक गहरा हो जाता है।

ब्रेन ड्रेन और ब्रेन गेन का विमर्श आज वैश्विक विकास की सबसे निर्णायक बहसों में बदल चुका है। अनेक अध्ययनों से यह संकेत मिलता है कि विदेश जाने की संभावना घरेलू स्तर पर कौशल उन्नयन को भी गति देती है, जैसा कि फिलीपींस के नर्सिंग क्षेत्र में स्पष्ट रूप से देखा गया। भारत में भी यह प्रभाव आईटी सेक्टर में दिखाई देता है, जहाँ वैश्विक मांग ने प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धा दोनों को नई ऊँचाई दी है।

साथ ही ब्रेन गेन के रूप में रिवर्स माइग्रेशन भी बढ़ा है—2023-24 में लाखों प्रोफेशनल्स भारत लौटे, जिन्होंने ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स और स्टार्टअप्स को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान की। फिर भी स्वास्थ्य और उच्च शिक्षा जैसे क्षेत्रों में डॉक्टरों और प्रोफेसरों की कमी आज भी एक गंभीर और चुनौतीपूर्ण स्थिति बनी हुई है।

पढ़ाई बढ़ी.. लेकिन स्किल क्यों नहीं बढ़ी?

डॉ. सत्यवान सौरभ

आज का समाज एक अजीब विरोधाभास के दौर से गुजर रहा है। एक तरफ शिक्षा का स्तर पहले से कहीं अधिक ऊँचा दिखाई देता है—हर घर में बच्चे पढ़ रहे हैं, कोचिंग, ऑनलाइन क्लासेस और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जुटे हैं, और परिणामस्वरूप अंक भी लगातार बेहतर हो रहे हैं। लेकिन दूसरी तरफ एक सवाल लगातार सिर उठाता है—क्या सच में हम सीख रहे हैं, या सिर्फ अंकों का संग्रह कर रहे हैं? यह विडंबना केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे शिक्षा तंत्र की दिशा पर प्रश्नचिह्न खड़ा करती है। स्कूल से लेकर कॉलेज तक बच्चों को एक ऐसी दौड़ में शामिल कर दिया गया है, जहाँ लक्ष्य केवल अच्छे अंक लाना, उच्च रैंक हासिल करना और अधिक से अधिक प्रमाणपत्र जुटाना रह गया है। इस पूरी प्रक्रिया में सीखना कहीं पीछे छूट गया है। बच्चे यह समझने लगते हैं कि सफलता का मतलब है परीक्षा में सही उत्तर लिख देना, न कि उस ज्ञान को जीवन में लागू कर पाना।

इसी कारण आज हम ऐसे युवाओं को देखते हैं जो कागज पर बेहद सफल हैं, लेकिन वास्तविक जीवन की चुनौतियों के सामने असहज हो जाते हैं। वे जटिल प्रश्न हल कर सकते हैं, लेकिन सरल समस्याओं के व्यावहारिक समाधान में अटक जाते हैं। आत्मविश्वास की कमी, निर्णय लेने में झिझक, और नई परिस्थितियों में खुद को ढालने की कमजोरी—ये सब उस शिक्षा का परिणाम हैं जो याद करने पर अधिक और समझने पर कम आधारित है। हमारी शिक्षा प्रणाली लंबे समय से रटने की संस्कृति पर टिकी रही है। बच्चों को यह सिखाया जाता है कि कौन-सा प्रश्न कैसे आएगा और उसका उत्तर किस तरह लिखना है। इस प्रक्रिया में उनकी जिज्ञासा धीरे-धीरे खत्म हो जाती है। वे सवाल पूछने से कतराने लगते हैं, क्योंकि उन्हें डर होता है कि कहीं वे गलत न साबित हो जाएँ। रचनात्मकता और स्वतंत्र सोच, जो किसी भी समाज के विकास के लिए जरूरी होती है, इस दबाव में दब जाती है। जब यही बच्चे उच्च शिक्षा पूरी कर नौकरी की दुनिया में प्रवेश करते हैं, तब वास्तविकता सामने आती है। कंपनियाँ केवल डिग्री नहीं, बल्कि कौशल चाहती हैं—समस्या को समझने की क्षमता, टीम के साथ काम करने का हुनर, संवाद कौशल, और परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने की योग्यता।

लेकिन शिक्षा व्यवस्था ने उन्हें इन सबके लिए तैयार ही नहीं किया होता। यही कारण है कि डिग्री बढ़ने के बावजूद रोजगार के अवसरों का लाभ उठाने में युवा पीछे रह जाते हैं। यह केवल बेरोजगारी का नहीं, बल्कि स्किल गैप का संकट है। इस पूरी प्रक्रिया का एक और गंभीर पहलू है—मानसिक दबाव।

स्वस्थ जीवनशैली ही सुखी जीवन का आधार : विजय कपूर

कानपुर।
दादा नगर कोआपरेटिव इस्टेट सभागार में ह्यसन टू ह्यूमन फाउण्डेशन द्वारा संचालित नये दृष्टिकोण वाला शिविर के अंतर्गत विशेष डेमो सेशन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली, सकारात्मक सोच और बेहतर स्वास्थ्य को लेकर लोगों को जागरूक किया गया। चेयरमैन विजय कपूर ने कहा कि वर्तमान समय के मानसिक तनाव और भागदौड़ के बीच स्वस्थ जीवनशैली ही सफल एवं सुखी जीवन का असली आधार है।

दादा नगर स्थित कोआपरेटिव इस्टेट सभागार में शनिवार को आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उद्यमियों, व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने भाग लिया। शिविर का आयोजन कोआपरेटिव इस्टेट के चेयरमैन विजय कपूर की प्रेरणा से किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखने के लिए बेहतर जीवनशैली अपनाने के प्रति जागरूक करना रहा। शिविर में मौजूद लोगों ने वक्ताओं द्वारा दी गई जानकारियों को बेहद उपयोगी बताया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में ललित अग्रवाल और मॉ मैत्री ने लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में अनियमित दिनचर्या, तनाव और भागदौड़ भरी जिंदगी के कारण लोगों का स्वास्थ्य तेजी से प्रभावित हो रहा है। ऐसे में नियमित व्यायाम, सकारात्मक सोच, संतुलित भोजन और अनुशासित जीवनशैली अपनाकर कई समस्याओं से बचा जा सकता है। उन्होंने लोगों को मानसिक रूप से मजबूत रहने और स्वस्थ आदतों को दैनिक जीवन में शामिल करने के लिए प्रेरित किया।

इस दौरान वक्ताओं ने कुछ आसान और उपयोगी एक्सरसाइज का प्रदर्शन भी किया। उपस्थित लोगों को सही तरीके से व्यायाम करने का अभ्यास कराया गया और बताया गया कि नियमित रूप से छोटी-छोटी गतिविधियां अपनाकर भी शरीर को स्वस्थ रखा जा सकता है।

कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने एक्सरसाइज सत्र में उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न जानकारियां प्राप्त कीं। चेयरमैन विजय कपूर ने कहा कि आज के समय में अधिकतर लोग तनाव और असंतुलित जीवनशैली के कारण विभिन्न बीमारियों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे जागरूकता शिविर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम बनते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि नये दृष्टिकोण वाला शिविर लोगों को बेहतर और स्वस्थ जीवन जीने की दिशा में प्रेरित करेगा।

कार्यक्रम में सुरेश पुरी, कार्तिक कपूर, स्वदेश पचौरी, सन्तोष पिपरइया, प्रवीन विज, दिनेश कुशवाहा, श्याम बिजलानी, नरेश पंजाबी, सुभाष सिंह, प्रियंका सेठी, शिव कुमार प्रजापति, शिशिर चौरसिया, गुरविन्दर सिंह, अशोक जुनेजा, पंकज गुप्ता, निखिल खन्ना, राजेन्द्र गुप्ता और हर्ष तनेजा सहित बड़ी संख्या में उद्यमी एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पूर्व मंत्री नारद राय की मांग पर जलशक्ति मंत्री का एक्शन

बलिया।
उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में गड़हांचल की लाइफ लाइन कही जाने वाली मंगई नदी से जुड़े नालों का अवरोध खत्म करने की पहल हुई है। जिससे हजारों एक-ड़ खेती योग्य भूमि के हर साल जलमग्न रहने की संभावना नगण्य हो गई है।

मंगई नदी से जुड़े नालों में जमी गाद की खुदाई व कई जगहों पर पुलिया के निर्माण के लिए विगत दिनों पूर्व मन्त्री नारद राय ने जलशक्ति मन्त्री स्वतन्त्रदेव सिंह से लखनऊ में मुलाकात की थी। उन्होंने जलशक्ति मंत्री से किसानों की इस विकराल समस्या के निराकरण का अनुरोध किया था। जिसके बाद जलशक्ति मन्त्री ने टेलीफोन से अधिशासी अभियन्ता सिंचाई को त्वरित समाधान के निर्देश दिए थे। जिसके बाद बलिया आने के बाद पूर्व मन्त्री नारद राय सिंचाई विभाग के कार्यालय पहुँच कर सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियन्ता राकेश कुमार से दर्जनों गांवों के किसानों के हजारों एकड़ खेत से जुड़े नाले जो मंगई नदी में गिरते हैं, को मौके पर चलकर देखने को कहा था।

अधिशाषी अभियंता अपने साथ सहायक अभियन्ता राम मिलन गोंड़ व अवर अभियन्ता राजकुमार चौरसिया सहित सिंचाई विभाग के इंजीनियरों की टीम के साथ निरीक्षण करने पहुंचे थे। अधिकारियों ने नरहीं से मंगई नदी तक जाने वाली लगभग साढ़े चार किलोमीटर लंबी करौंटी ड्रेन, शहाबुद्दीन पुर (कारों) से शुरू होने वाले ढाई किलोमीटर के फिरोजपुर ड्रेन, टुटुआरी-बघौना से मंगई नदी तक जाने वाले साढ़े सात किलोमीटर के नरहीं ड्रेन, टाड़ा ब्रम्हबाबा के स्थान को जाने वाली ड्रेन की सफाई व कुछ विशेष जगहों पर पुलिया के निर्माण को लेकर निरीक्षण किया। अधिशासी अभियन्ता ने बताया कि जलशक्ति मन्त्री द्वारा टेलीफोन पर दिए गए निर्देश पर ड्रेनों की सफाई के लिए टेण्डर कर दिया गया है, बरसात के पूर्व ड्रेन सफाई का कार्य पूर्ण करा दिया जाएगा।

तेजाब कांड का आरोपित पुलिस मुठभेड़ में घायल, हेड कांस्टेबल को भी लगी गोली

बरेली ।
शेरगढ़ क्षेत्र में घर में घुसकर महिला, उसके पति और दो बच्चों पर तेजाब फेंकने के मामले में फरार चल रहे आरोपित को पुलिस ने रविवार तड़के मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। जवाबी कार्रवाई में आरोपित के पैर में गोली लगी, जबकि एक हेड कांस्टेबल भी घायल हो गए। पुलिस ने आरोपित के पास से अवैध तमंचा और कारतूस बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार, 16 मई को शेरगढ़ थाना क्षेत्र की एक महिला ने तहरीर देकर आरोप लगाया था कि वार्ड नंबर-9 डुंगरपुर निवासी उमेश कश्यप उसके घर की छत के रास्ते अंदर घुस आया और उस पर, उसके पति व दोनों बेटों पर तेजाब डाल दिया। घटना में चारों लोग झुलस गए थे। मामले में थाना शेरगढ़ में आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 124 और 333 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।

घटना के बाद से पुलिस आरोपित की तलाश में जुटी थी। रविवार को थाना शेरगढ़ पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपित कस्बा शेरगढ़ बाईपास मार्ग से अपने घर की ओर जाने वाला है। सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर संदिग्ध को रोकने का प्रयास किया, लेकिन आरोपित ने पुलिस टीम पर तमंचे से फायरिंग कर दी।

पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें उमेश कश्यप के पैर में गोली लग गई। मुठभेड़ के दौरान हेड कांस्टेबल मोहम्मद नाजिम के बाएं हाथ को छूते हुए गोली निकल गई, जिससे वह घायल हो गए।

गुमशुदा मासूम का शव पानी के टैंक में मिलने से मचा हड़कंप,हत्या की आशंका

बहराइच।
उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले से एक बेहद दर्दनाक मामला प्रकाश में आया है। यहाँ कोतवाली नानपारा क्षेत्र के ग्राम पंचायत महोली शेर खान में एक 5 साल के मासूम बच्चे का शव पानी से भरे गड्ढे में मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई

मिली जानकारी के मुताबिक, गांव के रहने वाले राजू का 5 वर्षीय बेटा ताजुद्दीन शनिवार दोपहर बाद करीब 4 बजे घर से बाहर खेलने निकला था, लेकिन जब वह काफी देर तक वापस नहीं लौटा, तो परिजनों के होश उड़ गए। पूरी रात परिवार और ग्रामीणों ने मासूम की तलाश की, लेकिन उसका कहीं सुराग नहीं लगा। परेशान होकर परिजनों ने कोतवाली पुलिस को इसकी सूचना दी।

लेकिन रविवार की सुबह इस तलाश का अंत बेहद दर्दनाक रहा। सुबह करीब 7 बजे घर के ही पास बने एक 10 फीट गहरे पानी के गड्ढे में मासूम ताजुद्दीन का पैर दिखाई दिया। शव मिलते ही कोहराम मच गया।

इस मामले में एक बड़ा तथ्य तब आया जब मृतक बच्चे के पिता राजू ने अपनी ही संतान की हत्या की आशंका जताई। पिता का सीधे तौर पर आरोप है कि शनिवार की रात उन्होंने खुद उस गड्ढे में बच्चे को ढूंढा था, लेकिन तब वहाँ कुछ नहीं था। उनका आरोप है कि किसी ने उनके बच्चे की हत्या की है ।घटना की खबर मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस मामले पर नानपारा कोतवाली प्रभारी राजनाथ सिंह का कहना है कि बच्चे का शव पास के गड्ढे में मिला है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मुकदमा दर्ज कर पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखकर मामले की गहनता से जांच कर रही है। मासूम ताजुद्दीन की मौत आखिर एक हादसा है या इसके पीछे कोई खौफनाक साजिश? यह तो पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिसिया तफ्तीश के बाद ही साफ हो पाएगा।

बच्चों की शिक्षा सबसे बड़ी सेवा : हरविंदर भाटिया

कानपुर।
सिख उद्योग व्यापार संगठन उत्तर प्रदेश द्वारा गुरुद्वारा श्री गुरु तेग बहादुर साहिब चौक में ग्रंथी सिंह, रागी सिंह और सेवादारों के पचास बच्चों को निःशुल्क स्कूल बैग एवं कॉपियां वितरित की गईं। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और उनकी शिक्षा के लिए समाज को आगे आकर सहयोग करना चाहिए। यह बातें शनिवार को हरविंदर सिंह भाटिया बॉबी ने कही।

कार्यक्रम के दौरान संगठन की ओर से बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रेरित किया गया। पदाधिकारियों ने बताया कि संस्था पिछले तीन वर्षों से लगातार इस प्रकार की सेवा कर रही है ताकि जरूरतमंद बच्चों को पढ़ाई में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि समाज के सहयोग से इस सेवा कार्य को और अधिक व्यापक बनाया जा सकता है।

भारत की संस्कृति शाश्वत और अनादि अनंत है: अमिताभ अग्निहोत्री

एक दिवसीय व्याख्यान में 21वीं सदी में सांस्कृतिक विमर्श एवं नवाचार पर मंथन

वाराणसी।
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, वाराणसी की पहल पर शब्दन फाउंडेशन के सहयोग से शनिवार को एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। "21वीं सदी में सांस्कृतिक विमर्श एवं नवाचार" विषयक व्याख्यान में संस्कृति को सहेजने और इसे अगली पीढ़ी के लिए सुरक्षित रखने पर बल दिया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार अमिताभ अग्निहोत्री (चेयरमैन एवं एडिटर-इन-चीफ, राष्ट्रवाणी समाचार चैनल) ने काशी को भारतीय सांस्कृतिक ऊर्जा और चेतना का शाश्वत केन्द्र बताया। उन्होंने कहा कि काशी ने राजनीति, अर्थव्यवस्था और धर्म के मध्य संतुलित समन्वय स्थापित कर भारतीय संस्कृति को नवीन आयाम प्रदान किए हैं। मुख्य अतिथि अंतर विश्वविद्यालय अध्यापक शिक्षा केन्द्र, बीएचयू के निदेशक प्रो. प्रेम नारायण सिंह ने कहा कि ह्वसंस्कृति को सहेजना अगली पीढ़ी के लिए समाज को सुरक्षित रखने का मूल लक्ष्य है।" अध्यक्षता कृषि विज्ञान संस्थान, बीएचयू, के प्रो० गुरु प्रसाद सिंह ने की। क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक डॉ अभिजित दीक्षित ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि "काशी संस्कृति का जीवन्त प्रतिनिधि है, एवं हम इसे संस्कार के रूप में स्वीकार करते हैं।" अतिथियों का माल्यार्पण एवं स्मृति-चिन्ह भेंटकर अभिनन्दन किया गया। शब्दन फाउंडेशन की ओर से वरिष्ठ कला-प्रशासक गौतम चटर्जी (आईजीएनसीए) को उनके दीर्घ सेवाकाल के लिये सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ देवी सरस्वती के चित्र पर पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। मंगलाचरण वृहस्पति पाण्डेय ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ० शिवेन्द्र सिंह व धन्यवाद ज्ञापन गौतम चटर्जी ने किया।

सरकार 2027 और 2029 के चुनावों में महिला आरक्षण बिल 33 प्रतिशत लागू करें : सांसद वीरेंद्र

वाराणसी।

समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता और सांसद वीरेंद्र सिंह ने रविवार को वाराणसी स्थित आवास पर कहा कि मैं चंदौली सहित देश की समस्त माता-बहनों से अनुरोध करता हूं कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)के इशारे पर जिस तरह से झूठा भ्रम फैलाने का प्रयास किया जा रहा है, उसके झांसे में न आएं।

उन्होंने कहा कि आप सभी अपने अंतर्मन से पूछे कि क्या महिला आरक्षण बिल 2023 में सर्वसम्मति से पास नहीं हो चुका है। अगर वो कह दें कि नहीं हुआ है तो हम अपनी गलती स्वीकार करके अपने आप को दुरुस्त करेंगे। यदि 2023 में महिला आरक्षण बिल पास हो चुका है तो मैं सरकार से आग्रह करता हूं कि 2027 और 2029 के चुनावों में महिला आरक्षण बिल 33 प्रतिशत लागू करें। समाजवादी पार्टी सहित समस्त विपक्ष इसको सर्वसम्मति से पास करेंगे या स्वीकार कर लेंगे।

नवविवाहिता ने संदिग्ध परिस्थितियों में लगाई फांसी,मौत

पिता ने ससुरालीजनों पर लगाया प्रताणना का आरोप

बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच में दरगाह थाना इलाके के मोहल्ला बख्शीपुरा में उस समय हड़कंप मच गया जब एक नवविवाहित युवती ने फाँसी लगाकर जान दे दी। सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मृतका के पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक प्रक्रिया में जुट गई है।

संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के संस्कृत विद्या विभाग के दो विद्यार्थी भारतीय सेना में जे.सी.ओ. बने

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश के वाराणसी जनपद स्थित सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के संस्कृत विद्या विभाग ने एक बार पुनः अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक परम्परा एवं संस्कारमयी शिक्षा का परिचय देते हुए गौरवपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है। विभाग के दो प्रतिभाशाली विद्यार्थियों में श्यामशंकर तिवारी एवं आनन्द द्विवेदी का चयन भारतीय सेना में जूनियर कमीशंड ऑफिसर (जेसीओ) पद पर हुआ है।

विद्यार्थियों की इस सफलता से विश्वविद्यालय परिवार में हर्ष एवं गौरव का वातावरण व्याप्त है। छात्रों के सेना में चयन के बाद विभागाध्यक्ष डॉ. रविशंकर पाण्डेय एवं विभाग के आचार्यों ने दोनों का अभिनन्दन किया। इस अवसर पर आचार्यों ने छात्रों की सफलता को संस्कृत शिक्षा की व्यापक उपयोगिता एवं राष्ट्रनिर्माण में सक्रिय भूमिका का सशक्त उदाहरण बताया। विशेष रूप से छात्र आनन्द द्विवेदी की उपलब्धियाँ विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत मानी जा रही हैं। वे प्रारम्भ से ही विभाग के अनुशासित, मेधावी एवं सक्रिय विद्यार्थी रहे हैं। आचार्य पाठ्यक्रम में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने पर उन्हें प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने ह्वसम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय स्वर्ण पदकह्व से सम्मानित किया है। साथ ही उन्होंने छह बार यूजीसी नेट परीक्षा उत्तीर्ण कर अपनी असाधारण शैक्षणिक क्षमता का परिचय दिया है। विभागीय शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में उनकी सक्रिय सहभागिता सदैव उल्लेखनीय रही है।

लखनऊ कलेक्ट्रेट में वकीलों के अवैध चैंबर व दुकानों पर चला बुलडोजर

लखनऊ।
इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के बाद लखनऊ नगर निगम ने रविवार को जिला अदालत और कलेक्ट्रेट के पास बने करीब 240 अवैध चैंबर और दुकानों पर बुलडोजर कार्रवाई शुरू की गई। नगर निगम लखनऊ की टीम पुलिस और प्रशासन के साथ मौके पर पहुंची और हाईकोर्ट के आदेश के तहत ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी।

कार्रवाई शुरू होते ही बड़ी संख्या में वकील मौके पर जमा हो गए और विरोध प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी करने लगे। इस दौरान पुलिस और वकीलों के बीच तीखी नोकझोंक और धक्का-मुक्की की स्थिति भी बनी। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करते हुए वकीलों और दुकानदारों को हटाया। फिलहाल मौके पर भारी पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी तैनात हैं।

पुलिस प्रशासन का कहना है कि सड़क,फुटपाथ व नाले पर कब्जा कर वकीलों ने चेंबर बना लिया था। फोटोकॉपी की दुकानें खुल गयी थी। कोर्ट ने अवैध अतिक्रमण तोड़ने का आदेश दिया। इसके बाद नगर निगम की ओर से नोटिस दी गयी। कुछ लोगों ने खुद कब्जा हटा लिया,लेकिन बड़ी संख्या में कब्जे नहीं हटे थे,इसके बाद यह कार्रवाई की गई है।

वकील ज्योत्सना सिंह का कहना है कि हाईकोर्ट ने 72 चैंबर तोड़ने का आदेश दिया है,लेकिन जिन चैंबरों को तोड़ने का आदेश हुआ था उन पर बुलडोजर नहीं चला है।

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार दंपति को रौंदा, मौके पर मौत

मीरजापुर।
अहरौरा थाना क्षेत्र के महुली चौराहे के पास रविवार सुबह करीब 11 बजे तेज रफ्तार बेकाबू ट्रक ने बाइक सवार पति-पत्नी को कुचल दिया, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई और मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गौतम कुमार (38) पुत्र दुख्खू एवं उनकी पत्नी फूला देवी (34) निवासी सरिया, थाना अहरौरा बाइक से जा रहे थे। महुली चौराहे के पास सड़क पार करते समय तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को जोरदार टक्कर मारते हुए दोनों को कुचल दिया। हादसे में दंपति की मौके पर ही मौत हो गई।

बताया गया कि बाइक पर उनके साथ एक बच्चा भी था, जिसे हल्की चोटें आई हैं। हादसे के बाद चालक ट्रक छोड़कर मौके से फरार हो गया। घटना के बाद हाईवे पर जाम लग गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों को शांत कराते हुए यातायात बहाल कराया। थाना प्रभारी अजय कुमार मिश्र ने बताया कि ट्रक चालक की तलाश की जा रही है। दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है तथा मामले की जांच की जा रही है।

गर्मियों में दिमाग को स्वस्थ रखने का सरल उपाय स्पर्श ध्यान : सतीश राय

प्रयागराज।
भागदौड़ भरी जिंदगी, भीषण गर्मी और ऑफिस का तनाव, इन सबके बीच मन को शांत रखने का सबसे सस्ता और असरदार तरीका स्पर्श ध्यान है। प्रतिदिन सिर्फ 15 मिनट स्पर्श ध्यान करने से शरीर और दिमाग दोनों बदलने लगते हैं।

यह बातें एसकेआर योग एवं रेकी शोध प्रशिक्षण और प्राकृतिक संस्थान की ओर से प्रयागराज रेकी सेंटर पर रविवार को जाने-माने स्पर्श चिकित्सक सतीश राय ने स्पर्श ध्यान का निःशुल्क प्रशिक्षण देते हुए कही। उन्होंने प्रशिक्षण लेने वालों को सम्बोधित करते हुए बताया कि गर्मियों में स्पर्श ध्यान करने से कई फायदे होते हैं।

तनाव और चिंता होती है कम
स्पर्श ध्यान करते समय दिमाग में स्ट्रेस हार्मोन घटता है। कुछ देर कठिन कार्य करने के बाद 10 मिनट आंख बंद करके बैठने से ही सिर हल्का लगने लगता है। स्पर्श - ध्यान तो तनाव घटाने के लिए खास माना जाता है।

फोकस और याददाश्त बढ़ती है
प्रतिदिन स्पर्श ध्यान करने से दिमाग की एकाग्रता बढ़ती है। लेखा-जोखा जैसा बारीक काम करने वालों के लिए गलतियां कम होती हैं। छात्रों की पढ़ाई में भी फर्क दिखता है।

ब्लड प्रेशर कंट्रोल रहता है
गर्मी में बीपी बढ़ना आम है। स्पर्श ध्यान से नर्वस सिस्टम शांत होता है, दिल की धड़कन सामान्य रहती है। डॉक्टर भी हाई बीपी के मरीजों को आंख बंद कर ध्यान में बैठने की सलाह देते हैं।

नींद अच्छी आती है
रात को बिस्तर पर लेटे-लेटे दिमाग चलता रहता है, तो सोने से 10 मिनट पहले श्वास पर ध्यान देने से दिमाग शांत होता है और गहरी नींद आती है।

गुस्सा और चिड़चिड़ापन कम
45त से0 की गर्मी में वैसे ही चिड़चिड़ापन बढ़ जाता है। स्पर्श ध्यान से मन शांत रहता है तो छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा नहीं आता। परिवार और ऑफिस का माहौल बेहतर रहता है।

इम्यूनिटी मजबूत होती है
रिसर्च बताती है कि प्रतिदिन स्पर्श ध्यान करने वालों के शरीर में बीमारियों से लड़ने की ताकत बढ़ती है। लू, वायरल और मौसमी बीमारियों का असर कम होता है।

शरीर की ऊर्जा संतुलित होती है
स्पर्श ध्यान, रेकी या स्पर्श चिकित्सा से शरीर की रुकी हुई ऊर्जा चलने लगती है। इससे थकान कम लगती है और दिन भर स्फूर्ति रहती है।

स्वस्थ रहने के लिए प्रतिदिन करें
- सुबह 5 मिनट से शुरू करें - बस शांत जगह बैठकर अपनी सांस आती - जाती महसूस करें।
- मोबाइल साइलेंट रखें, आंखें बंद करें।
- विचार आएं तो उन्हें रोकें नहीं, बस वापस सांस पर आ जाएं।
- गर्मी में शीतली प्राणायाम के साथ ध्यान करें - जीभ को मोड़कर सांस खींचें, शरीर ठंडा रहेगा।

हिंदुस्तान कॉपर का मुनाफा 137 फीसदी बढ़कर 444 करोड़ हुआ

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 137.3 प्रतिशत बढ़कर 444.27 करोड़ रुपये रहा। बताया जा रहा है कि बेहतर राजस्व के कारण कंपनी का लाभ बढ़ा है। वित्त वर्ष-2024-25 की मार्च तिमाही में कंपनी का मुनाफा 187.18 करोड़ रुपये था। चौथी तिमाही में कंपनी की परिचालन आय 58 प्रतिशत बढ़कर 1,156 करोड़ रुपये रही, जबकि एक वर्ष पूर्व यह 731.40 करोड़ रुपये थी। हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए प्रति इक्विटी शेयर 1.86 रुपये के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है, जो शेयरधारकों की मंजूरी के बाद लागू होगा। निदेशक मंडल ने निजी नियोजन के आधार पर गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) के माध्यम से 500 करोड़ रुपये तक जुटाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है।

पेट्रोल और डीजल के भाव बढ़ने से व्यापारिक संगठन चिंतित

ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी से आम लोगों पर भी पड़ेगा सीधा असर

नई दिल्ली ।

देश में पेट्रोल और डीजल की हालिया मूल्य वृद्धि ने व्यापारिक संगठनों को चिंतित कर दिया है। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने चेतावनी दी है कि इसका असर पूरे व्यापारिक ढांचे पर पड़ेगा, जिससे महंगाई बढ़ेगी और उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति प्रभावित होगी। सीटीआई के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के अनुसार ट्रांसपोर्ट सेक्टर पर सबसे बड़ा असर पड़ेगा, जहां ट्रकों का दैनिक डीजल खर्च 250-300 रुपए तक बढ़ जाएगा। इससे माल ढुलाई की लागत बढ़ेगी और लॉजिस्टिक्स महंगे होंगे। दिल्ली के थोक बाजारों में बाहर से आने वाले सामान का भाड़ा 3 से 5 प्रतिशत तक बढ़ सकता है, जिससे कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक्स, मसाले समेत विभिन्न उत्पाद महंगे होंगे। छोटे व्यापारी और रेस्टोरेंट भी डिलीवरी वैन व जेनरेटर की बढ़ी लागत से जूझेंगे, जिससे खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ सकती हैं। संगठन का अनुमान है कि बढ़ती महंगाई के कारण उपभोक्ता गैर-जरूरी खर्चों में कटौती करेंगे, जिससे कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स और खानपान सेक्टर में बिक्री 5-8 प्रतिशत तक घट सकती है। ऑटो, ई-रिक्शा व कैब का किराया बढ़ने से बाजारों में फुटफॉल घटेगा। यह वृद्धि पूरी सप्लाई चेन और आम उपभोक्ता पर भारी पड़ेगी।

अप्रैल में निर्यात ने भरी ऊंची उड़ान, सोने के आयात से व्यापार घाटा बढ़ा

सोना-चांदी के बढ़ते आयात से घाटा तीन महीने के शीर्ष पर

नई दिल्ली ।

पश्चिमी एशिया में जारी संकट और आपूर्ति श्रृंखला की बाधाओं के बावजूद भारत के वस्तु निर्यात ने अप्रैल में शानदार प्रदर्शन किया। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार यह 13.8 फीसदी बढ़कर 43.56 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले चार वर्षों में सबसे अधिक है। हालांकि, सोने और चांदी के बढ़ते आयात ने व्यापार घाटे को 28.38 अरब डॉलर पर पहुंचा दिया, जो तीन महीने का उच्च स्तर है। कुल आयात भी 10त्न बढ़कर 71.94 अरब डॉलर रहा। वाणिज्य सचिव ने बताया कि कमोडिटी कीमतों में तेजी और भारतीय उद्योगों के बाजार विविधीकरण प्रयासों से निर्यात को बढ़ावा मिला। पेट्रोलियम उत्पाद (34.7त्न बढ़कर 9.59 अरब डॉलर) और इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं निर्यात वृद्धि के प्रमुख वाहक रहे। चीन और सिंगापुर को निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई, जबकि होर्मुज स्ट्रेट की नाकेबंदी के कारण संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ व्यापार प्रभावित हुआ। आयात पक्ष पर, सोने का शिपमेंट 81.7 फीसदी बढ़कर 5.63 अरब डॉलर हो गया, जिससे व्यापार घाटे पर दबाव बढ़ा। चांदी का आयात भी दोगुना से अधिक हुआ। सेवाओं का निर्यात भी 13.4त्न की वृद्धि के साथ 37.24 अरब डॉलर रहा, जिससे भारत को 20.58 अरब डॉलर का अनुमानित सेवा व्यापार अधिशेष मिला। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य बना रहा।

18700 रुपए किलो चांदी के दाम गिरे एक दिन में

चांदी की गिरावट और तेजी , बाजार हैरान

ई टी एफ में चांदी की गिरावट में चार बड़े कारण

मुंबई ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी की कीमतों में एक ही दिन में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। घरेलू बाजार में चांदी करीब 18,700 रुपए प्रति किलो तक टूट गई, जिससे निवेशक और कारोबारी दोनों हैरान रह गए। वहीं सिल्वर ईटीएफ में भी करीब 9 प्रतिशत तक की गिरावट देखी गई। विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिका में ब्याज दरें बढ़ने की आशंका और डॉलर की मजबूती ने कीमती धातुओं पर दबाव बढ़ा दिया है।

जानकारों का कहना है कि महंगाई के आंकड़े उम्मीद से अधिक आने के बाद निवेशकों ने सुरक्षित निवेश के तौर पर डॉलर की ओर रुख किया। इसके चलते सोना और चांदी दोनों कमजोर हुए। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार में औद्योगिक मांग घटने और बड़े निवेशकों की बिकवाली ने भी चांदी की कीमतों को नीचे खींचा।

हालांकि बाजार विशेषज्ञ मानते हैं कि यह गिरावट लंबे समय तक नहीं रह सकती। औद्योगिक उपयोग और वैश्विक मांग बढ़ने पर आने वाले समय में चांदी में फिर तेजी देखने को मिल सकती है। फिलहाल निवेशकों की नजर अमेरिकी फेडरल रिजर्व की अगली नीति बैठक पर टिकी हुई है।

जैन इरिगेशन को 19 करोड़ रुपए का घाटा

नई दिल्ली।

जैन इरिगेशन सिस्टम्स को वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में 19 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है। मुख्य रूप से अधिक खर्च के कारण कंपनी का घाटा बढ़ा है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि एक साल पहले इसी तिमाही में उसे 27.86 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था। कुल आय मार्च तिमाही में बढ़कर 1,824.63 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले 2024-25 की इसी तिमाही में 1,750.15 करोड़ रुपये थी। हालांकि इस दौरान खर्च बढ़कर 1,774.91 करोड़ रुपये हो गया जो एक साल पहले इसी तिमाही में 1,703.71 करोड़ रुपये था।पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 39.99 करोड़ रुपये का घाटा हुआ, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में 25.69 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ था।कुल आय बढ़कर 6,413.31 करोड़ रुपये हो गयी जो एक साल पहले 5,793.24 करोड़ रुपये थी।

आरबीएल बैंक में बहुलांश हिस्सेदारी के अधिग्रहण को वित्त मंत्रालय ने दी मंजूरी

देश में करीब 26,850 करोड़ रुपये के निवेश का रास्ता साफ

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्रालय ने दुबई स्थित एमिरेट्स एनबीडी बैंक को आरबीएल बैंक में 74 प्रतिशत तक हिस्सेदारी के अधिग्रहण की मंजूरी दे दी है। इससे देश में करीब 26,850 करोड़ रुपये के निवेश का रास्ता साफ हो गया है। आरबीएल बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग की ओर से भेजे गए एक पत्र में इस प्रस्तावित अधिग्रहण को मंजूरी दी गई है। यह मंजूरी कुल चुकता इक्विटी शेयर पूंजी के 49 प्रतिशत से अधिक और 74 प्रतिशत तक हिस्सेदारी लेने के लिए दी गई है। इस अधिग्रहण सौदे की घोषणा 18 अक्टूबर, 2025 को की गई थी। इसे भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में अब तक के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय निवेशों में से एक माना जा रहा है। प्राथमिक पूंजी निवेश के तौर पर करीब तीन अरब डॉलर (करीब 26,850 करोड़ रुपये) का निवेश किया जाएगा। यह बैंक को वृद्धि के अपने अगले चरण के लिए मजबूत स्थिति में लाएगा।प्रस्तावित निवेश के तहत एमिरेट्स एनबीडी बैंक तरजीही निर्गम के जरिये 280 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 959,045,636 इक्विटी शेयरों को खरीदेगा। इस सौदे के बाद आरबीएल बैंक में इस विदेशी बैंक की हिस्सेदारी 51 प्रतिशत से 74 प्रतिशत के बीच रह सकती है, जो नियामकीय शर्तों पर निर्भर होगी।लेनदेन के बाद बैंक में विदेशी बैंक की अनुषंगी इकाई वाला मॉडल लागू होगा और एमिरेट्स एनबीडी बैंक को प्रवर्तक के रूप में मान्यता मिलेगी ।इससे पहले भारतीय रिजर्व बैंक और प्रतिस्पर्धा आयोग भी इस अधिग्रहण प्रस्ताव को मंजूरी दे चुके हैं।

बाजार में तूफान- पीएम मोदी की किफायत अपील और वैश्विक तनाव ने भारतीय शेयर बाजार को हिलाया

शुरुआती भारी गिरावट के बाद शेयर बाजार में दिखी मामूली रिकवरी, रुपया भी रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचा

मुंबई ।

बीता हफ्ता भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद उथल-पुथल भरा रहा, जो निवेशकों के धैर्य की कड़ी परीक्षा लेता दिखा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देश के लोगों से किफायत बरतने की अपील के बाद बाजार में भूचाल आ गया, जिससे शुरुआती कारोबारी दिनों में प्रमुख सूचकांकों में भारी गिरावट दर्ज की गई। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली ने इस गिरावट को और गहरा कर दिया। डॉलर के मुकाबले रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया, जो देश की आर्थिक चिंताओं को बढ़ा रहा था। हालांकि, हफ्ते के मध्य से बाजार में कुछ रिकवरी देखने को मिली, लेकिन शुक्रवार को हुई आखिरी सत्र की बिकवाली ने हफ्ते भर की बढ़त को आंशिक रूप से समाप्त कर दिया, जिससे बाजार का सफर एक रोलरकोस्टर राइड जैसा महसूस हुआ।

पीएम की अपील और बाजार में बड़ी गिरावट- पीएम की अपील और बाजार में बड़ी गिरावट हफ्ते की शुरुआत ही झटके के साथ हुई। प्रधानमंत्री मोदी की देशवासियों से किफायत बरतने की अपील का सीधा असर घरेलू शेयर बाजार पर दिखा। सोमवार को शुरुआती कारोबार में ही सेंसेक्स करीब 900 अंक तक टूट गया, वहीं निफ्टी भी 23950 के नीचे आ गया। दिनभर चली बिकवाली के कारण प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 1,312.91 अंक गिरकर 76,015.28 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 360.30 अंक लुढ़ककर 23,815.85 पर आ गया। भू-राजनीतिक तनाव और रिकॉर्ड गिरावट- भू-

राजनीतिक तनाव और रिकॉर्ड गिरावट सोमवार की गिरावट का सिलसिला मंगलवार को भी जारी रहा और बाजार पर दबाव और बढ़ गया। पश्चिम एशिया में जारी तनाव, अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत को लेकर अनिश्चितता और विदेशी निवेशकों की लगातार चौथे कारोबारी सत्र में बिकवाली ने बाजार को और नीचे धकेल दिया। शुरुआती कारोबार में ही सेंसेक्स 525.44 अंक और निफ्टी 164.5 अंक नीचे आ गया। दिन के अंत में सेंसेक्स 1,456.04 अंक की बड़ी गिरावट के साथ 74,559.24 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 436.30 अंक टूटकर 23,379.55 पर आ गया। गिरावट पर लगाम, बाजार में स्थिरता- दो दिनों की भारी बिकवाली के बाद बुधवार को बाजार में कुछ स्थिरता देखने को मिली। शुरुआती कारोबार में मामूली बढ़त के बाद, हालांकि सूचकांक नकारात्मक दायरे में फिसल गए, लेकिन दिन के अंत में बिकवाली पर लगाम लगी। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 49.74 अंक बढ़कर 74,608.98 पर बंद हुआ।

ईंधन कीमत वृद्धि का लाभ धो डालेगी रुपये की गिरावट-रिपोर्ट

3 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि से मिली 52,700 करोड़ की राहत

नई दिल्ली ।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के आर्थिक अनुसंधान विभाग ने अपनी इकोरैप रिपोर्ट में चेतावनी दी है कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में और गिरावट से तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को वाहन ईंधन की कीमतों में हाल ही में की गई बढ़ोतरी से मिलने वाला पूरा लाभ समाप्त हो सकता है। यह चिंता ऐसे समय में आई है जब शुक्रवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर पर 95.81 पर बंद हुआ। सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने पश्चिम एशिया संकट और कच्चे तेल की बढ़ती वैश्विक कीमतों के मद्देनजर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तीन-तीन रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। इस कदम से ओएमसी को खुदरा बिक्री पर हो रहे नुकसान (अंडर-रिकवरी) में करीब 52,700 करोड़ रुपये की राहत मिल सकती है, जो वित्त वर्ष 2026-27 में अपेक्षित कुल नुकसान का लगभग 15 प्रतिशत है। हालांकि, रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि यदि रुपये में मौजूदा औसत स्तर से केवल दो रुपये की और कमजोरी आती है, तो कच्चे तेल के आयात की लागत इतनी बढ़ जाएगी कि ईंधन मूल्य वृद्धि का पूरा लाभ समाप्त हो जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, रुपया पहले ही एक महत्वपूर्ण गिरावट स्तर के करीब है, जिसके बाद और कमजोरी से लाभ खत्म हो सकता है।

एसबीआई रिपोर्ट में पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी के हवाले से यह भी बताया गया है कि तेल विपणन कंपनियों को प्रतिदिन लगभग 1,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है, जो सालाना लगभग 3.6 लाख करोड़ रुपये बैठता है।

सेल का चौथी तिमाही में मुनाफा बढ़कर 1,680 करोड़ पर

नई दिल्ली।

वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) का एकल आधार पर मुनाफा 42 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 1,680 करोड़ रुपये रहा।सेल एक बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में कंपनी ने 1,178 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। चौथी तिमाही में कंपनी की परिचालन आय बढ़कर 30,813 करोड़ रुपये रही, जो वित्त वर्ष 2024-25 की इसी तिमाही में 29,316 करोड़ रुपये थी। कंपनी के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए प्रति इक्विटी शेयर 2.35 रुपये के अंतिम लाभांश को भी मंजूरी दी है। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में शुद्ध लाभ बढ़कर 3,233 करोड़ रुपये रहा, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में यह 2,148 करोड़ रुपये था।वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी की परिचालन आय 1,10,810 करोड़ रुपये रही, जो 2024-25 में 1,02,478 करोड़ रुपये थी। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक ए. के. पंडा ने कहा कि बिक्री मात्रा में वृद्धि के साथ माल-भंडार और उधारी में कमी ने हमारी लाभप्रदता को और मजबूत किया है। इसके परिणामस्वरूप कर-पूर्व लाभ और कर-पश्चात लाभ में वृद्धि दर्ज की गई है।

ब्रिटेन के स्टील प्रतिबंध से भारत-ब्रिटेन एफटीए की राह मुश्किल

दोनों देश रचनात्मक समाधान की तलाश में

नई दिल्ली (ईएमएस)। ब्रिटेन के नए इस्पात आयात प्रतिबंधों के कारण भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) अब देरी से लागू हो सकता है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने बताया कि ब्रिटेन के इन इस्पात संबंधी उपायों को एफटीए वार्ता के दौरान ध्यान में नहीं रखा गया था। अग्रवाल ने कहा कि दोनों देश इन मुद्दों से निपटने के लिए विशिष्ट एवं रचनात्मक समाधान तलाश रहे हैं ताकि प्रस्तावित व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता जल्द लागू हो सके। यह समझौता पिछले साल जुलाई में हस्ताक्षरित हुआ था और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने मई में इसके प्रभावी होने की उम्मीद जताई थी। ब्रिटेन 1 जुलाई 2026 से शुल्क-मुक्त इस्पात आयात पर सीमा लागू करेगा, जिससे कुल कोटा मौजूदा संरक्षण उपाय की तुलना में 60 प्रतिशत कम हो जाएगा। इस स्तर से अधिक आयात पर 50 प्रतिशत शुल्क लगेगा। 2025-26 में भारत से ब्रिटेन को 89.34 करोड़ डॉलर मूल्य के इस्पात उत्पादों का निर्यात हुआ, जो ब्रिटेन को होने वाले कुल भारतीय निर्यात का एक

अहम हिस्सा है। अमेरिकी दल अगले महीने भारत आने की संभावना है। दोनों देशों के अधिकारी अंतरिम समझौते को अंतिम रूप देने और व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर वार्ता आगे बढ़ाने के लिए मिलेंगे। भारत धारा-301 के तहत जांच को लेकर भी अमेरिका से बातचीत कर रहा है।

वैश्विक तेल उछला, रूस-वेनेजुएला को मिली आर्थिक संजीवनी

ब्रेंट क्रूड 120 डॉलर के पार, पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद रूस का निर्यात बढ़ा

नई दिल्ली ।

ईरान में जारी युद्ध के कारण पिछले दो महीनों से दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाएं भारी दबाव में हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में जबरदस्त उछाल से पेट्रोल-डीजल सहित परिवहन और खाद्य पदार्थों की कीमतें आसमान छू रही हैं, जिससे वैश्विक महंगाई बढ़ रही है। इस संकटपूर्ण माहौल के बावजूद, रूस और वेनेजुएला जैसे दो प्रमुख तेल उत्पादक देशों ने अप्रत्याशित रूप से अपनी अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत किया है। मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने के बाद ब्रेंट क्रूड की कीमतें 72 डॉलर से बढ़कर 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गईं। इस तेजी का सबसे बड़ा फायदा रूस को हुआ, जिसने पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद अपने उरल्स कच्चे तेल की कीमतों और निर्यात राजस्व में भारी वृद्धि देखी। मार्च 2026 में उसका तेल निर्यात करीब 19 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिससे यूक्रेन युद्ध के चलते आए आर्थिक दबावों से निपटने में मदद मिली। रूस भारत और चीन जैसे देशों को पुराने टैंकरों (शैडो फ्लीट) के जरिए बड़े पैमाने पर तेल भेज रहा है, पहले छूट पर और अब ऊंची कीमतों पर। दूसरी ओर वेनेजुएला ने भी इस संकट का लाभ उठाया है। दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडार वाले इस देश का उत्पादन अमेरिकी प्रतिबंधों और खराब प्रबंधन के कारण लंबे समय से गिर रहा था। लेकिन ईरान संकट के बाद अमेरिका ने तेल आपूर्ति बनाए रखने के लिए वेनेजुएला पर लगे कुछ प्रतिबंधों में ढील दी। अमेरिकी कंपनी शेवरॉन को उत्पादन की अनुमति मिलने के बाद वेनेजुएला का तेल उत्पादन अब 9 लाख बैरल प्रतिदिन तक पहुंच गया है, जिससे उसकी अर्थव्यवस्था को नई जान मिली है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऊंची तेल कीमतें जहां इन दो देशों को राहत दे रही हैं, वहीं तेल आयात करने वाले देशों में महंगाई और आर्थिक दबाव तेजी से बढ़ रहा है, जबकि पारंपरिक उत्पादक पूरी तरह फायदा नहीं उठा पा रहे।

एनएसई आईपीओ से पहले ब्रोकरेज की हिस्सेदारी न्यूनतम स्तर पर

डीम्युचुअलाइजेशन और हितों के टकराव से बचने के उपायों ने बाजार संचालन को बेहतर बनाया

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय शेयर बाजार (एनएसई) में ब्रोकरेज कंपनियों की हिस्सेदारी उसके बहुप्रतीक्षित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले तेजी से घट रही है। यह गिरावट मार्च 2019 के उच्चतम स्तर 53.9 फीसदी से मार्च 2026 तक अनुमानित 35.6 फीसदी तक पहुंच गई है, जो मार्च 2016 के बाद का सबसे निचला स्तर होगा। इस बदलाव का मुख्य कारण डीम्युचुअलाइजेशन प्रक्रिया और हितों के टकराव से बचने के लिए किए गए नियामकीय उपाय हैं। भारत सरकार ने 2000 के दशक की शुरुआत में स्टॉक एक्सचेंजों में डीम्युचुअलाइजेशन प्रक्रिया शुरू की थी। इसका उद्देश्य ट्रेडिंग अधिकारों को एक्सचेंज के संचालन से अलग करना था, ताकि ब्रोकर अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए बाजार के कामकाज को प्रभावित न कर सकें। एनएसई की स्थापना ही एक डीम्युचुअलाइज्ड संस्था के रूप में हुई थी, जिससे वह इस दिशा में पहले से ही अग्रसर था। बाजार के जानकारों के अनुसार ब्रोकरों के हित आज भी स्टॉक एक्सचेंजों के साथ जुड़े हुए हैं। वे अपने फीडबैक और क्लाइंट्स को बाजार में लाकर इसके विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने हाल के वर्षों में ट्रेडिंग वॉल्यूम में भारी वृद्धि के बावजूद ब्रोकरों की विफलताओं की घटनाओं में कमी के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समय पर किए गए नियामकीय हस्तक्षेपों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह भारतीय बाजारों की प्रगति और दुनिया के बाकी बाजारों की तुलना में इसके उच्च मानकों का प्रमाण है, जो एक मजबूत इकोसिस्टम को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि ये उपाय समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं। गौरतलब है कि 2019 में हिस्सेदारी में हुई बढ़ोतरी का श्रेय भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा आईडीबीआईबैंक में 51 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने को दिया जा सकता है, क्योंकि बैंक को एक ट्रेडिंग सदस्य के रूप में वर्गीकृत किया गया था।

एलआईसी की खरीद के बाद, इसे ट्रेडिंग सदस्य के सहयोगी के रूप में वर्गीकृत किया गया, जिससे कुल हिस्सेदारी बढ़कर 53 फीसदी से अधिक हो गई थी। यह आंकड़ा ब्रोकरों की वास्तविक हिस्सेदारी में वृद्धि नहीं, बल्कि वर्गीकरण संबंधी एक बदलाव का परिणाम था। कुल मिलाकर, यह रुझान भारतीय पूंजी बाजार की परिपक्वता और मजबूत नियामक ढांचे को दर्शाता है।

बर्जर पेंट्स ने बाजार में भरा रंग, शेयर 11 फीसदी उछले, ब्रोकरेज भी उत्साहित

मार्च तिमाही के दमदार नतीजों और वित्त वर्ष 27 की मजबूत संभावनाओं से निवेशकों में जोश

नई दिल्ली ।

देश की दूसरी सबसे बड़ी पेंट कंपनी बर्जर पेंट्स के शेयरों ने इस हफ्ते शानदार प्रदर्शन किया है। मार्च तिमाही के मजबूत नतीजों और वित्त वर्ष 2027 के लिए उज्ज्वल संभावनाओं के चलते कंपनी के शेयर करीब 11 फीसदी तक उछल गए हैं। ज्यादातर ब्रोकरेज फर्मों ने कंपनी की भविष्य की संभावनाओं को लेकर सकारात्मक राय व्यक्त की है, जिससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा है।

दमदार तिमाही प्रदर्शन और वृद्धि के प्रमुख कारक- बर्जर पेंट्स ने मार्च तिमाही में बिक्री में 6 फीसदी की शानदार बढ़त हासिल की, जो पिछले 12 तिमाहियों में कारोबार वृद्धि का सबसे ऊंचा स्तर है। कंपनी की एकल बिक्री में सालाना आधार पर 11.8 फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई। इस प्रदर्शन में कीमतों में वृद्धि से पहले चैनल द्वारा किए गए स्टॉक और बाजार में मांग में सुधार का अहम योगदान रहा। प्रीमियम इमल्शन उत्पादों की बढ़ती लोकप्रियता, बेहतर उत्पाद मिश्रण और चौथी तिमाही के अंत में की गई कीमतों में वृद्धि ने भी बिक्री मूल्य को 6.7 फीसदी ऊपर ले जाने में मदद की। इक्विरस सिक्योरिटीज जैसे विश्लेषक उम्मीद कर रहे हैं कि भले ही चैनल में स्टॉक जमा होने के कारण चौथी तिमाही के ऊंचे वृद्धि स्तरों से कुछ सामान्यीकरण हो, लेकिन भविष्य में वैल्यू ग्रोथ, वॉल्यूम ग्रोथ से आगे निकल जाएगी। ब्रोकरेज फर्मों ने वित्त वर्ष 2027 के लिए 9-10त्न राजस्व वृद्धि का अनुमान लगाया है।

तीसरी बार थाईलैंड ओपन के फाइनल में सात्विक-चिराग की जोड़ी पहुंची

बैंकॉक (एजेंसी)। थाईलैंड ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय जोड़ी सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए पुरूष युगल फाइनल में प्रवेश कर लिया है. उन्होंने तीन गेम के रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में मलेशिया के गोह जे फेइ और नूर इजुद्दीन को मात दी। दुनिया की चौथे नंबर की जोड़ी सात्विक और चिराग ने नौवीं रैंकिंग वाली मलेशियाई जोड़ी से 82 मिनट में 19-21 से पहला गेम हारने के बाद लगातार दो गेम 22-20, 21-16 से जीत लिया। फाइनल मैच में भारतीय जोड़ी का मुकाबला इंडोनेशिया के लियो रोली कार्नांडो और डेनियल मार्टिन की जोड़ी से होगा. ये भी उल्लेखनीय है कि ये भारतीय जोड़ी तीसरी बार फाइनल में प्रवेश की है. इससे पहले ये जोड़ी 2019 और 2024 में खिताब जीतकर इतिहास रचा था। मलेशियाई जोड़ी के खिलाफ उनका रिकॉर्ड 7-2 का था लेकिन गोह और इजुद्दीन ने पिछले साल इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में उन्हें हराया था. सेमीफाइल मैच में मलेशियाई जोड़ी ने अच्छी शुरूआत करके 3-1 की बढ़त बना ली लेकिन सात्विक और चिराग ने स्कोर 5-5 से बराबर कर लिया. पहले गेम में मलेशियाई जोड़ी ने ब्रेक तक 11-8 की बढ़त बना ली. चिराग की गलती से शटल नेट में चली गई और अंतर बढ़ गया. पहला गेम मलेशियाई जोड़ी ने 21-19 से जीता। इसके बाद दूसरे गेम में मुकाबला बराबरी का था और स्कोर 3-3 से 6-6 हो गया. भारतीय जोड़ी ने 9-6 की बढत बना ली लेकिन चिराग के एक रिटर्न पर शटल नेट में जाने से बढत 10-9 की रह गई. ब्रेक के बाद फिर स्कोर 13-13 हो गया. चिराग ने भारत को 16-14 से बढत दिलाई लेकिन फिर रिटर्न नेट में जाने से स्कोर 16-16 हो गया. भारतीय जोड़ी ने फिर 19-16 की बढत बनाई और एक समय स्कोर 20-20 था जब भारतीय जोड़ी ने इजुद्दीन का शॉट वाइड जाने पर यह गेम जीता। निर्णायक गेम में भारतीय जोड़ी हावी रही और मलेशियाई जोड़ी वापसी नहीं कर पाई. जिससे भारतीय जोड़ी ने 21-16 से गेम और मैच जीत लिया.

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने उज्जैन-में बाबा महाकाल का आर्शीवाद लिया

● हरमनप्रीत और कोच ने नंदी के कान में कही अपनी मनोकामना

उज्जैन (एजेंसी)। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में शनिवार सुबह भारतीय महिला क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों ने बाबा महाकाल के दरबार में हाजिरी लगाई। टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर सहित अन्य खिलाड़ियों ने तड़के भस्म आरती में शामिल होकर भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया। जानकारी के अनुसार भारतीय महिला क्रिकेट टीम के सदस्य तड़के करीब 3 बजे मंदिर पहुंचे। इस दौरान कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ कोच भी शामिल हुए। कप्तान हरमनप्रीत के साथ प्रवीण शर्मा, अमोल मुजुमदार, अरुंधति, शेर सिंह, अनिरुद्ध, भारती, साल्वी, श्रेयंका, रेणुका, राखी, धनंजय, नंदिनी, सचिन, पूर्वा, यस्तिका, शैफाली, दीप्ति, ममता, राधा, क्रांति, रुचा, मुनीश, नल्लापु, गोल्लाने सहित अन्य खिलाड़ी मौजूद रहे। सभी खिलाड़ियों ने ज्योतिर्लिंग भगवान श्री महाकालेश्वर की प्रातःकालीन भस्म आरती में दर्शन लाभ लिया। भस्म आरती के दौरान महिला खिलाड़ी पूरी तरह भक्ति में लीन नजर आई। करीब दो घंटे तक आरती में शामिल रहने के बाद खिलाड़ियों ने नंदी हॉल में पूजन-अभिषेक किया और नंदी के कान में अपनी मनोकामना कही। इसके बाद चांदी द्वार से भगवान महाकाल को पुजारी के हाथों जल अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। आरती के पश्चात श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से भारतीय महिला क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों का स्वागत और सम्मान भी किया गया।

पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना ने जड़ा महिला टी-20 का सबसे तेज अर्धशतक

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान महिला टीम के कप्तान फातिमा सना ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में इतिहास रच दिया है. उन्होंने 15 गेंद में फिफ्टी जड़ कर महिला टी20 इंटरनेशनल में सबसे तेज अर्धशतक बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. सना ने ये उपलब्धि कराची में जिम्बाब्वे के खिलाफ तीसरे टी-20 मैच के दौरान हासिल की। इसके साथ 24 साल की सना ने न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन, ऑस्ट्रेलिया की फीबी लिचफील्ड और भारत की ऋचा घोष के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया, जिन्होंने 18-18 गेंदों में अपनी फिफ्टी बनाई थी.

पाकिस्तान ने 133 रनों जीता मैच – मैच की बात करें तो पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया. फातिमा सना सिर्फ 19 गेंदों में 62 रन बनाकर नाबाद रहीं. अपनी इस पारी में उन्होंने 10 चौके और दो छक्के लगाए. इसकी बदौलत पाकिस्तान का स्कोर 4 विकेट पर 223 रन तक पहुंच गया. यह महिला टी-20 में पाकिस्तान का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है. इससे पहले इसी सीरीज में पाकिस्तान ने 237 रन बनाए थे. जवाब में वेस्टइंडीज की पूरी टीम 17.1 ओवर में ही 90 रनों पर ढेर हो गई. जिसके साथ पाकिस्तान ने मैच को 133 रनों से अपने नाम कर लिया.

महिला टी-20 में सबसे तेज फिफ्टी

- फातिमा सना (पाकिस्तान) - 15 गेंदें बनाम जिम्बाब्वे (15 मई, 2026)
- सोफी डिवाइन (न्यूजीलैंड) - 18 गेंदें बनाम भारत (11 जुलाई, 2015)
- फीबी लिचफील्ड (ऑस्ट्रेलिया) - 18 गेंदें बनाम वेस्टइंडीज, (2 अक्टूबर, 2023)
- ऋचा घोष (भारत) - 18 गेंदें बनाम वेस्टइंडीज (19 दिसंबर, 2024)
- निदा डार (पाकिस्तान) - 20 गेंदें बनाम दक्षिण अफ्रीका (22 मई, 2019)

टी-20 में पाकिस्तान की तरफ से सबसे तेज फिफ्टी

सना की जबरदस्त पारी से पहले, टी-20 में किसी पाकिस्तानी खिलाड़ी द्वारा सबसे तेज फिफ्टी बनाने का रिकॉर्ड निदा डार के नाम था, जिन्होंने 2019 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 20 गेंदों में यह कारनामा किया था। इसके अलावा सना ने महिला टी20 क्रिकेट में सबसे तेज फिफ्टी के रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली. उन्होंने 2022 में वारविकशायर के लिए मैरी केली और इसी साल न्यूजीलैंड के सुपर स्मैश टूर्नामेंट में ओटागो के लिए लॉरा हैरिस की उपलब्धि की बराबरी की।

फातिमा सना का 2026 में प्रदर्शन

2026 सना की फॉर्म अविश्वसनीय रही है. वह इस साल महिलाओं के टी-20 में पाकिस्तान की सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं. उन्होंने पांच पारियों में 229 रन बनाए हैं, जिनका स्ट्राइक रेट 206.30 का है. उन्होंने इसी साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 41 गेंदों में 90 रन बनाकर टी-20 में अपना अब तक का सबसे बड़ा स्कोर भी बनाया था।

अंशुल कंबोज के दो ओवर में मिशेल ने लगातार 4 छक्के!

आईपीएल के इतिहास में पहली बार हुआ ऐसा

लखनऊ (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में सीएसके- एलएसजी मैच अंशुल कंबोज के लिए एक बुरे सपने जैसा साबित हुआ. इस सीजन अपनी शानदार गेंदबाजी से छाप छोड़ने वाले सीएसके के इस युवा गेंदबाज ने एलएसजी के खिलाफ एक ऐसा अनचाहा रिकॉर्ड बना दिया, जो आईपीएल के इतिहास में पहले कभी नहीं देखा गया था. लखनऊ के इकाना स्टेडियम में अंशुल आईपीएल के इतिहास में पहले ऐसे गेंदबाज बन गए, जिनके एक ही मैच के दो अलग-अलग ओवरों में लगातार चार-चार छक्के लगे। एलएसजी के विस्फोटक बल्लेबाज मिशेल मार्श ने अंशुल की गेंदबाजी पर पूरी ताकत से हमला बोला. मैच के पांचवें ओवर में मार्श ने अंशुल की पहली चार गेंदों पर लगातार चार छक्के जड़े. इसके बाद, निकोलस पूरन ने 17वें ओवर में भी अंशुल की पहली चार गेंदों पर चार छक्के जड़ दिए. इसके साथ अंशुल कंबोज आईपीएल के इतिहास में दो ओवर में लगातार चार-चार छक्के खाने वाले पहले गेंदबाज बन गए। इसके अलावा एक ही पारी में अपनी 10 गेंदों पर 8 छक्के खाने वाले दूसरे गेंदबाज बन गए. इससे पहले, यह शर्मनाक रिकॉर्ड यश दयाल के नाम था. यश दयाल के खिलाफ आईपीएल 2023 में कोलकाता नाइट राइडर्स के बल्लेबाज ने 8 छक्के जड़े थे। ये भी उल्लेखनीय है कि अंशुल कंबोज आईपीएल 2026 में छ्स्य के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं. उन्होंने अब तक 12 मैचों में 19 विकेट लिए हैं और पर्पल कैप की दौड़ में तीसरे स्थान पर हैं।

एलएसजी बल्लेबाज कार्तिक शर्मा के 71 रनों की पारी से चेन्नई हारा – मैच की बात करें तो सीएसके ने कार्तिक शर्मा के 71 रनों की बदौलत इकाना क्रिकेट स्टेडियम में 187/5 का स्कोर खड़ा किया. जवाब में लखनऊ ने मार्श के 90 रनों की बदौलत 16.4 ओवर में 3 विकेट खोकर ही लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया।

- **कंबोज ने 60 से ज्यादा रन लुटाए** – अंशुल ने इस मैच में कुल 2.4 ओवर गेंदबाजी की और 63 रन लुटा दिए. उन्होंने कुल 16 गेंदें फेंकी, जिनमें से 11 गेंदों पर चौके या छक्के लगे. आखिरी 10 गेंदों में अंशुल ने 8 छक्के और 1 चौका दिया, जबकि एक गेंद पर कोई रन नहीं बना. इस तरह, उन्होंने सिर्फ 10 गेंदों में 52 रन लुटा दिए।
- **सीएसके के दूसरे सबसे महंगे गेंदबाज** – इस खराब प्रदर्शन के साथ अंशुल कंबोज चेन्नई सुपर किंग्स के दूसरे सबसे महंगे गेंदबाज भी बन गए. इससे पहले, खलील अहमद ने 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ 3 ओवर में 65 रन दिए थे. जबकि लुंगी एनगिडी 2021 में 4 ओवर में 62 रन खर्च किए थे. जिससे वो सीएसके के तीसरे सबसे महंगे गेंदबाज हैं।

● **आईपीएल 2026 के बीच**

हार्दिक पांड्या 22 मई को महिका शर्मा के साथ ले सकते हैं सात फेरे

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या क्रिकेट के साथ- साथ अपनी प्राइवेट लाइफ को लेकर भी अक्सर चर्चा में रहते हैं। उन्हें लेकर सोशल मीडिया पर एक बार फिर कुछ रिपोर्ट्स सामने आई हैं। इनमें ऐस दावा किया जा रहा है कि पांड्या आईपीएल 2026 के सीजन के बीच ही एक बार फिर शादी के बंधन में बंध सकते हैं। हालांकि दोनों को कई बार कई जगहों पर साथ- साथ भी देखा गया है। रिपोर्ट्स में किए जा रहे दावों के अनुसार दोनों 22 मई को एक बेहद निजी तरीके से शादी कर सकते हैं। फिलहाल इसे लेकर कोई भी ऑफिशियल बयान सामने नहीं आया है।

पहला विवाह और तलाक

जानकारी के लिए बता दें कि हार्दिक पांड्या पहले भी अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में रह चुके हैं। उन्होंने साल 2020 में लॉकडाउन के दौरान 31 मई को मॉडल नताशा स्टेनकोविक से शादी की थी। दोनों का यह रिश्ता लंबा नहीं चल सका और शादी के करीब 4 साल बाद, जुलाई 2024 में दोनों ने आधिकारिक तौर पर अलग होने (तलाक) का फैसला कर लिया। पहली शादी से हार्दिक का एक बेटा है, जिसका नाम अगस्त्य पांड्या है। भले ही हार्दिक और नताशा का रिश्ता खत्म हो चुका है, लेकिन माता-पिता के तौर पर दोनों मिलकर अपने बेटे की परवरिश (को-पेरेंटिंग) कर रहे हैं। नताशा से अलग होने के बाद हार्दिक का नाम कुछ अन्य महिलाओं के साथ भी जोड़ा गया, लेकिन अब महिका शर्मा के साथ उनकी शादी की खबरें सबसे ज्यादा चर्चा में हैं।

दिन में ट्रेनिंग रात में पढ़ाई करके देश के लिए मेडल जीतना चाहते हैं रुद्राक्ष खन्ना

जम्मू (जम्मू कश्मीर) (एजेंसी)। देश की सबसे खूबसूरत वादी जम्मू कश्मीर से एक युवा जिमनास्ट रुद्राक्ष खन्ना का उदय हो रहा है, जिसने हाल ही में एरोबिक जिमनास्टिक्स में देश के लिए अपना पहला इंटरनेशनल मेडल जीता और अब वो एशियन चैंपियन बनने के लिए कड़ी ट्रेनिंग कर रहा हैं। खन्ना ने 2 और 3 मई के बीच थाईलैंड के बैंकॉक में हुई पहली जेआरसी एरोबिक जिमनास्टिक्स स्टार्स चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल हासिल किया. उन्होंने एक इंडिविजुअल इवेंट में चीन, कजाकिस्तान और तीन अन्य देशों के जिमनास्टों को हराया, जबकि गोल्ड मेडल मेजबान देश थाईलैंड के नाम रहा. थाईलैंड में आयोजित जेआरसी एरोबिक चैंपियनशिप में, वह भारत से एकमात्र जिम्नास्ट थे और उन्होंने देश का नाम रोशन किया।

देश के लिए मेडल जीतना गर्व का पल – ईटीवी भारत के रिपोर्टर आमिर तांत्रे के साथ एक इंटरव्यू में खन्ना ने कहा कि एरोबिक जिमनास्टिक्स में देश के लिए मेडल जीतना उनके लिए गर्व का पल है. उन्होंने कहा, 'यह उपलब्धि मेरे कोचों, सुरिंदर पाल सिंह और कृपाली सिंह के सपोर्ट के बिना मुमकिन नहीं थी, जिन्होंने हमेशा मुझ पर भरोसा किया और हर तरह का सपोर्ट दिया. यह निश्चित रूप से गर्व का पल है, लेकिन बात यहीं नहीं रुकेगी, क्योंकि मैं आने वाली एशियन चैंपियनशिप में देश के लिए गोल्ड मेडल जीतना चाहता हूं।'

- **दो बार एशियन गेम्स में ले चुके हैं भाग** – पांच फीट सात इंच लंबे खन्ना देश में एरोबिक्स और जिमनास्टिक्स के एक युवा एथलीट बनकर उभर रहे हैं. उन्होंने दो बार एशियन गेम्स और इंटरनेशनल जिमनास्टिक्स फेडरेशन द्वारा आयोजित सुजुकी वर्ल्ड जिमनास्टिक्स चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व किया है, लेकिन देश के लिए मेडल जीतने से चूक गए. पिछली सुजुकी वर्ल्ड चैंपियनशिप में, वह चौथे स्थान पर रहे और बहुत थोड़े अंतर से मेडल से चूक गए।
- **'शेर-ए-कश्मीर' पुरस्कार से भी सम्मानित** – ये भी उल्लेखनीय है कि जिमनास्टिक्स में उपलब्धियों के लिए, खन्ना को 2025 में जम्मू कश्मीर सरकार द्वारा खेल के क्षेत्र में 'शेर-ए-कश्मीर' पुरस्कार से भी सम्मानित किया था. खन्ना कहते हैं कि उन्हें अपनी मां, सीमा खरियाल से प्रेरणा मिलती है, जो एक मैराथन धावक हैं और बारामूला तथा पटनीटॉप मैराथन की ब्रांड एंबेसडर हैं. उनकी बहन, सुदीप्ति खन्ना भी एक जिमनास्ट हैं और उन्हें भी इस वर्ष जम्मू कश्मीर सरकार द्वारा खेल के क्षेत्र में 'शेर-ए-कश्मीर' पदक से सम्मानित किया गया।

मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स में 19 जुलाई को भिड़ेंगे भारत और पाकिस्तान के फाइटर

कुआलालंपुर (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ी एक बार फिर आमने सामने आने वाले हैं. लेकिन ये महा मुकाबला क्रिकेट का मैदान नहीं बल्कि मार्श आर्ट्स का रिंग होगा। दरअसल मलेशिया के कुआलालंपुर में होने वाली मलेशिया स्ट्राइक एमएमएचैंपियनशिप में भारत के संग्राम सिंह और पाकिस्तान के आबिद अली आमने सामने होंगे।

इस बहुप्रतीक्षित मुकाबले का आयोजन रविवार, 19 जुलाई को होगा। ये भारतीय मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स के लिए एक ऐतिहासिक पल होगा, क्योंकि संग्राम प्रतिष्ठित एशिया चैंपियनशिप खिताब के लिए मुकाबला करने वाले पहले भारतीय फाइटर बन जाएंगे। बता दें कि संग्राम सिंह कॉमनवेल्थ हैवीवेट चैंपियन हैं और मलेशिया स्ट्राइक एमएमए चैंपियनशिप उनकी चौथी प्रोफेशनल एमएमए मुकाबला होगा।

संग्राम इस मुकाबले के बारे में क्या कहा? आने वाली चुनौती के बारे में बात करते हुए संग्राम ने कहा, 'हो सकता है कि मुझे अभी आबिद अली की उम्र के बारे में ज्यादा जानकारी न हो, लेकिन मैं जानता हूं कि वह एक अनुभवी फाइटर हैं जिन्होंने कई एमएमए मुकाबले जीते हैं. मलेशिया स्ट्राइक एमएमएचैंपियनशिप में एशिया चैंपियनशिप खिताब के लिए भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए अत्यंत गर्व की बात है।'

संग्राम ने आगे बताया कि इस मुकाबले के लिए वह 83-89 किलोग्राम भार वर्ग में हिस्सा लेंगे. उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाले खेल मुकाबले से जुड़े दबाव को स्वीकार किया, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि यह चुनौती उन्हें और भी ज्यादा उत्साहित करती है।

भारतीय पहलवान संग्राम सिंह ने कहा, 'जब भी भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला होता है, तो स्वाभाविक रूप से भावनाएं चरम पर होती हैं, क्योंकि दोनों देशों के प्रशंसक हमेशा अपनी टीम की जीत चाहते हैं. इसमें दबाव तो होता है, लेकिन साथ ही उत्साह भी होता है. यह मेरे लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है और मैं पूरी एकाग्रता के साथ इसकी तैयारी कर रहा हूं।'

आज प्लेऑफ की जंग में आमने-सामने होंगे पंजाब किंग्स और आरसीबी

धर्मशाला (एजेंसी)। चैलेंजर बेंगुलरु के बीच आईपीएल 2026 का 61वां मुकाबला रविवार को धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेला जाएगा। प्लेऑफ की रेस के लिहाज से यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद अहम माना जा रहा है।

लगातार हार से दबाव में पंजाब किंग्स– श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स ने इस सीजन शानदार शुरुआत की थी और शुरुआती सात में से छह मुकाबले जीते थे। लेकिन इसके बाद टीम की लय पूरी तरह बिगड़ गई और पीबीकेएस को लगातार पांच हार का सामना करना पड़ा। पंजाब फिलहाल 12 मैचों में 13 अंकों के साथ पॉइंट्स टेबल में चौथे स्थान पर है। टीम को प्लेऑफ की उम्मीदें मजबूत करने के लिए यह मुकाबला हर हाल में जीतना होगा।

शानदार फॉर्म में आरसीबी– डिफेंडिंग चैंपियन आरसीबी इस सीजन बेहतरीन फॉर्म में नजर आई है।

तपती गर्मी और सुरक्षा

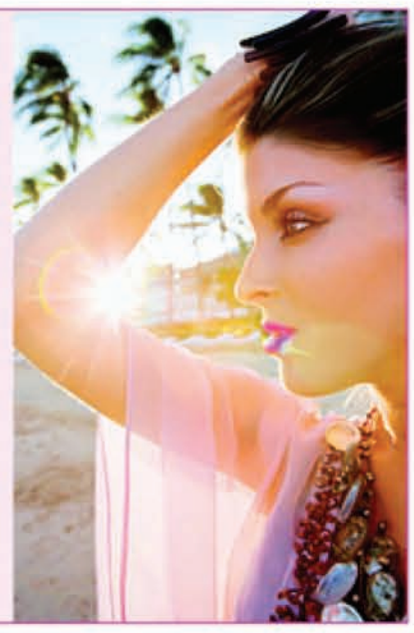

गर्मियाँ आते ही ठंडा वातावरण मन को भाने लगता है। घर और कार्यालयों को भी ठंडा रखने की कवायदें शुरू हो जाती हैं, लेकिन पूरे समय तो आप घर या दफ्तर की चहारदीवारी से घिरे नहीं रह सकते तो कौन से सुरक्षा के तरीके अपनाएँ, जब बाहर सूर्य से मुकाबला करना हो, आइए जानें।

■ **उबला पानी :** अक्सर पानी का बदलाव शरीर पर दुष्प्रभाव छोड़ता है। इससे बचने के लिए अपने साथ उबला हुआ पानी ले जाएँ या सादे पानी में एक हल्दी की गाँठ डाल लें।

■ **नीबू, नमक, शकर और खाने का सोडा :** अपने साथ नीबू, शकर, नमक व खाने का सोडा भी रखें। जब अधिक गर्मी सताए या जी मिचलाए तो एक कप पानी में एक चम्मच शकर, नीबू का रस व एक चुटकी सोडा मिलाकर पी लें। नीबू चूसना भी फायदेमंद रहेगा। सादा नमक का पानी बार-बार पीने से भी गर्मी अधिक परेशान नहीं करेगी।

■ **सेंधा नमक और अजवाइन :** यदि आपको पित्त गिरने की शिकायत रहती है तो अपने साथ सेंधा नमक और अजवाइन मिलाकर रखें। दो-तीन बार खा लें।

■ **प्याज :** लू से बचने के लिए एक प्याज अपने पॉकेट या पर्स में लपेटकर रखें। इसे बार-बार सूँघने से लू नहीं लगेगी।

■ **कच्चे आम का पना :** कच्चे आम को उबालकर उसको ठंडा कर लें। ठंडे पानी में गूदे को मैश करके छान लें। थोड़ी-सी हींग, सौंफ और जीरा भूनकर पीस लें। सूखा पुदीना, शकर, काला और सेंधा नमक इस शरबत में मिलाएँ। इस शरबत को बाहर जाने से पहले पी लेने से लू नहीं लगेगी या गंतव्य स्थान पर पहुँच कर पी लें।

■ **गीला तौलिया व आँवला :** गर्मी में खासतौर पर सफर के दौरान एक गीला तौलिया हमेशा सिर पर रखें या हो सके तो एक गीला कपड़ा खिड़की पर बाँध लें। यदि अचानक नकसीर फूट जाए तो गीला कपड़ा नाक पर रख लें और ठंडा पानी सिर पर डालें। यदि आपको नकसीर की बीमारी है तो शुद्ध घी में आँवला पीसकर बराबर मात्रा में मिला लें और इसे भी साथ रख लें। इसे लगाने से खून रुक जाएगा।

■ **त्रिकुटी चूर्ण :** कम से कम खाइए। फिर भी अपचन न हो, इसके लिए त्रिकुटी का चूर्ण शहद के साथ सुबह ही खा लीजिए। काली पीपल, काली मिर्च व सौंठ को बराबर मात्रा में लेकर पावडर बना लीजिए। सफर में शहद के साथ यह चूर्ण खाने से आपको पेट संबंधी समस्या परेशान नहीं करेगी।

■ **आई ड्रॉप व कॉटन :** यदि आपकी आँखें जल्दी लाल हो जाती हैं तो आँखों को साफ करने का लोशन व रुई भी साथ में रखिए। लोशन में रुई का फाहा भिगोकर थकी और लाल आँखों पर रखिए। आपको बहुत आराम मिलेगा।

■ **धूप का चश्मा :** एक बड़ी फ्रेम वाला धूप का चश्मा भी गर्मी से बचाव की जरूरत को पूरा करता है। यह आँखों के साथ-साथ चेहरे की धूप से रक्षा करेगा।

■ **बड़ा स्कार्फ :** तैलीय मेकअप बिलकुल न करें, क्योंकि यह पसीने के साथ मिलकर आपके चेहरे को बदसूरत बना देगा। खुले बाल सफर में उड़-उड़कर उलझ जाते हैं तो बाद में ज्यादा टूटते हैं। एक बड़ा स्कार्फ बालों पर बाँध लें तो आप इस मुसीबत से भी बच जाएँगी।

फायदे गर्मी के

● शाम को इडली डोसा बनाना है, रात में दाल-चावल भिगोना भूल गए। याद भी आया तो सुबह 10 बजे। एक काम कीजिए उबलने जितना गर्म पानी कर दाल चावल भिगो दें। 1 बजे तक अच्छी तरह भीग जाएँगे। पीसकर घोल को ढँककर धूप में रख दें या स्टेबीलाइजर पर रख दें। सिर्फ 3 से 4 घंटों में अच्छा खमीर वाला घोल तैयार हो जाएगा। जब चाहें इडली-डोसा बना लें।

● रोज दही चाहिए? रात में जमाना भूल गए। सुबह उठकर दूध को कुनकुना गर्म करें। जामन थोड़ा अधिक डालें। अच्छी तरह मिलाकर ढक्कन बंद डिब्बे में धूप में रखें या स्टेबीलाइजर पर और यह लीजिए 12 बजे तक दही तैयार है।

● छोले या राजमा रात में भिगोना भूल गए हों तो सुबह तेज गर्म पानी में डाल दें। तीन घंटे में ही भीग जाएँगे।

● गर्मियों में भी कुनकुने पानी से नहाने की आदत है तो बाल्टी भर पानी तेज धूप में रख दें।

● कभी भी बाहर से आने पर पना पीना चाहिए। उबली हुई केरियाँ फ्रीज में अवश्य रखें और तुरंत इनसे पना बना लें।

नई ताजी केरी का मुरब्बा या छुंदा चाहिए तो केरी किसकर शकर मिलाकर सोलर कुकर में रख दें। एक दिन में तैयार हो जाएगा। या पतीले पर कपड़ा बाँधकर धूप में रखें तीन दिन में चाशनी तैयार हो जाएगी।

मैंगो लस्सी

सामग्री : 2 कप दही, 1 कप मैंगो पल्प (आम का गूदा), आधा टी स्पून इलायची पावडर, आधा कप शकर, आधा कप आम (बारीक कटा), 1 बड़ा चम्मच पिस्ता कतरन, बर्फ (अंदाज से)।

विधि : सर्वप्रथम ब्लैंडर में आम का गूदा एवं शकर मिलाकर चलाएँ। फिर इसमें दही, इलायची पावडर एवं बर्फ मिलाकर पुन: एक बार चलाएँ। मैंगो लस्सी तैयार है। इसे काँच के गिलासों में भरें। ऊपर से प्रत्येक गिलास में बारीक कटे आम के टुकड़े डालें। पिस्ता कतरन छिड़ककर ठंडी-ठंडी मैंगो लस्सी पेश करें। पीने वाले आपकी तारीफ किए बिना नहीं रहेंगे।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-3-6

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। कार्यक्षेत्र में विवाद बढ़ेंगे। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभांक-5-7९-9

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-5-7

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-6-8

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचें। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। पारिवारिक विवाद टाले। शुभांक-1-3-4

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-4-5-7

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बांधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-3-6-8

धनु ये यो भा भी भू

उच्च मनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम

काकुरो पहेली - 3891

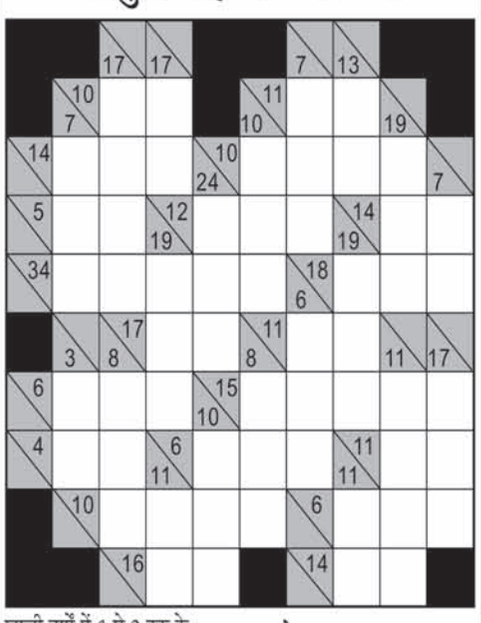

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

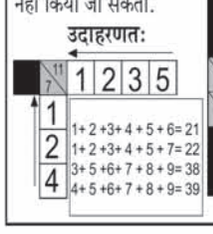

काकुरो - 3890 का हल

लॉफिंग ज़ोन

एक बार में थर्टी फर्स्ट की पार्टी मना रहे युवक-युवतियों का ध्यान अचानक बोर्ड पर गया, जिसमें लिखा था 'यहाँ देर रात तक नहीं चलेगी पार्टियाँ।'

उनमें से एक युवक ने घड़ी देखी और घबराया हुआ मेन गेट पर आकर झाँकने लगा।

तभी पास ही गश्त लगा रहे पुलिस वाले ने कहा- तुम्हारे पास अब सिर्फ चार ही मिनट बचे है। यहाँ से जल्दी भागो वर्ना अंदर कर दूँगा।

□ □ □

प्रेमिका से मिलने गया प्रेमी बोला- अभी तुमसे मिलने आते समय रास्ते में किसी ने मेरी जेब ही काट ली?

प्रेमिका- तो तुमने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज की?

प्रेमी नहीं- ...जैसे ही मैंने कटी हुई जेब देखी, फौरन पास वाले दर्जी से सिलवा ली।

□ □ □

अपने दोस्तों के साथ ताश खेल रहा क्रोधित पति (पत्नी से)- युधिष्ठिर भी तो जुआ खेलते थे, फिर तुम मुझे क्यों रोकती हो?

पत्नी इतराकर बोली- कभी नहीं रोकूँगी! खूब खेलो जुआ, लेकिन इस बात को याद रखना की द्रौपदी के पाँच पति थे।

फिल्म वर्ग पहेली - 3891

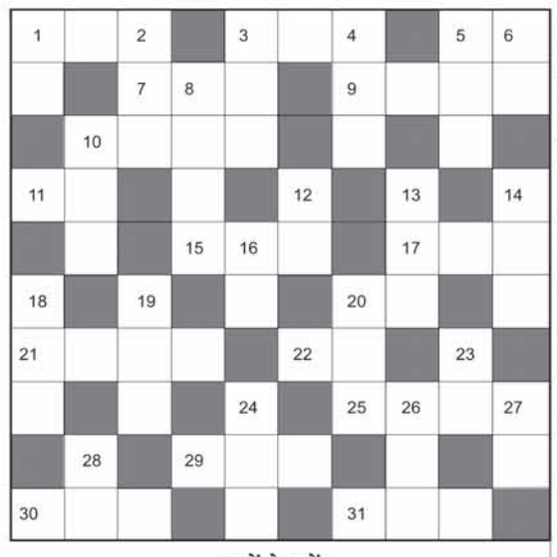

बायें से दायें:-

१. 'अंग्रेजी में कहते हैं' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म-३
३. कुमार गौरव, पूनम की 'माँग लूंगा तुझे' गीत वाली फिल्म-३
५. 'शीशा हो या दिल हो' गीत और नायिका रीना राय वाली फिल्म-२
७. अक्षय, करीना की 'यार बदल ना जाना' गीत वाली फिल्म-३
९. सुनीलदत्त, किशोरकुमार के 'सामने वाली खिड़की में' रहती है-४
१०. करिश्मा, मनीषा की 'रंग दी रंग दी' गीत वाली फिल्म-४
११. नवीन निश्चल, रेखा की 'राज की बात कह' कव्वाली वाली फिल्म-२
१५. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार की फिल्म-३
१७. सुनील शेट्टी, नम्रता की 'जीना तेरी बाहों में' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'घायल घायल तूने मुझे' गीत वाली मिथुन, श्रीदेवी की फिल्म-२
२१. सुनीलदत्त, माला की 'चलो एक बार फिर से' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'गाये जा गीत मिलन के' गीत वाली दिलीप, नर्गिस की फिल्म-२
२५. संजयदत्त, माधुरी की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'मैं दुनिया भुला दुंगा' गीत वाली राहुल राय, अनु की फिल्म-३
३०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की १९८४ की एक फिल्म-३
३१. 'बारना दे बारना' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'हाय रे हाय रे' गीत वाली नई फिल्म-२
२. जोहराबाई अंबाले के गीत 'आँखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'अनोखी रात' के संगीतकार-३
४. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की १९९७ की एक फिल्म-३
५. 'नींद कभी रहती थी' गीत वाली फिल्म-३
६. अमिताभ बच्चन, शशि कपूर, शत्रु, राखी, परवीन, बिंदिया की अभिनीत फिल्म-२
८. 'मेरे अँगने में तुम्हारा' गीत वाली फिल्म-४
१०. फिरोजखान, हेमा, रेखा की फिल्म-३
१२. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली विक्रम, लक्ष्मी की फिल्म-२
१३. किशोर कुमार, मधुबाला की 'कोई हमदम ना रहा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'गोरे गोरे मुखड़े पे काला काला चश्मा' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शरीफ बदमाश' में नायिका कौन थी-२
१८. 'तुम रूठ के मत' गीत वाली फिल्म-३
१९. अमिताभ, जया की 'जहाँ चार यार' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आँखों से तूने ये क्या' गीत वाली फिल्म-३
२३. अमिताभ की 'अरे दीवानों मुझे पहचानो' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'गोरी तेरा नखरा' गीत वाली बॉबी, करिश्मा की फिल्म-३
२६. नायक-निर्माता-निर्देशक अकबर खान, रंजीता, स्मिता की फिल्म-३
२७. अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की सुभाष घई निर्देशित फिल्म-२
२८. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली बहु सितारा फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3890

शि	ल्पा		अ	स	र	नी		स	
का		क	म	ल		य	ल	गा	र
री	ना		री	मा		त		ई	
	र	जे	श		प		स		ब
का	ज	ल		दा	ग	द	फ	य	र
ला		र	ख	वा	ला		री		सा
षा	पी		ल		क	र्ण		घा	त
नी		हि	ना		हीं		ज	य	
	जं		य		का	का		ल	व
कि	ग	अं	क	ल		श	क्ति		ध

सूडोकु -3891

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3890 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली - 3891

बाएँ से दाएँ

1.यश प्राप्त करना-5
5.चतुर, जहीन-5
9.दया, तरस-3
10.कामदेव-3
11.लीन, तल्लीन-2
13.बोली, आवाज-2
14.राजदुर्वा-2
15.एक प्रकार का बिस्किट-2,3
18.मत, सलाह-2
19.जो लायक न हो-4
20.अधीनस्थ-4
21.कहानी, गाथा-2
22.श्रवणेंद्रिय-2
23.कुएं से पानी भरने का चबूतरा-4
26.दान देने वाला-4
29.वरदान, दूल्हा-2
30.पत्नी का नाना-2,3
33.सूर्य, दिनकर-2
34.भीगा हुआ-2
35.सुर आलाप-2
36.फूलों का रस,अर्क-3
38.तरंग, हिलोर-3
41.जरुरतमंद-5
42.सेंधमार-5

ऊपर से नीचे

1.नामकरण-5
2.टैक्स,हाथ-2
3.महीना, मास-2
4.नामवर, प्रसिद्ध-4
5.संधि, सामंजस्य-4
6.सरुर, नशा-2
7.झंकार-2
8.रमण योग्य-5
12.तगारी, नांद-3
13.सुअर-3
15.अभिमान मर्दित होना -2,3
16.समाप्त-2
17.नेकनीयत-5
23.हनुमान-3,2
24.मुलायम-3
25.उम्मीद, आशा-2
27.बहादुरी-3
28.शिव, रविलोचन-2,3
31.नामचीन-4
32.सुसंचालन-4
36.चेहरे का तेज, दर्प-2
37.रिश्तेदार-2
39.अधिकार-2
40.ईश्वर, भगवान-2

शब्द पहेली -3890 का हल

सा	ल		ब	ला		य	म		श
या		क	ल		जो	श		जा	य
	के	द		श	र	का	न	न	
न	दी		खे	मा		का	ल	ना	
म		जा	ल		का	य	र		ता
	मा	न		र	म	ल		का	ला
का	या		वी	न	ना		रा	म	
र		क	ह	र		शो	र		बा
	की	च	इ		रा	ला		री	त
क	म	रा		ख	र		सी	ता	
म	त		जी	त		मा	मा		दा

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)
सलाहकार संपादक:
रिजवान सैफ खान
सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,
सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक
राकेश द्विवेदी
उक्त सभी पद अवैतनिक है

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी